हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–258 : जौनपुर, शुक्रवार 21 जनवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

माफिया से मुक्त कराई जमीन पर बनेंगे गरीबों के महल : सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के हर नगरीय निकाय में माफिया से मुक्त कराई गई जमीन पर गरीबों के महल बनाए जाएंगे। सरकार ने प्रयागराज से इसकी शुरुआत भी कर दी है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स सक्रिय है। हर नगरीय निकाय में माफिया के अवैध कब्जे वाली जमीन चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को प्रदेश के महापौर, नगर पंचायत अध्यक्ष और नगर पालिका परिषद अध्यक्षों से वर्चुअल संवाद में अपराध और अपराधी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस के प्रति संकल्प दोहराते हुए कहा कि प्रयागराज में जिस तरह माफिया से मुक्त कराई जमीन पर गरीबों के लिए आवास तैयार हो रहे हैं वह एक मिसाल है। सरकार ऐसा ही काम हर नगरीय निकाय में करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद सरकारें तो बहुत सी आईं लेकिन किसी ने समग्रता से प्रदेश के विकास की दिशा में नहीं सोचा। 2017 के बाद से प्रदेश में लोगों को रहने के लिए आवास नहीं, पीने के लिए शुद्ध पानी, घर में शौचालय और बिजली मिले से आज प्रदेश बदल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में 14 नगर निगम थे, आज 17 नगर निगम हैं। 84 नई नगर पंचायतों के साथ आज 200 नगर पालिका परिषद 517 नगर पंचायतें हैं। उन्होंने कहा कि बीते पांच साल में केंद्र व राज्य सरकार के साझा प्रयास से गरीबों के 43 लाख आवास बनाए है। 60 शहरों में शुद्ध पेयजल के लिए अमृत योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि यूपी के शहर स्मार्ट हो रहे हैं। यहां ट्रैफिक हो या यातायात के साधन या फिर पार्किंग, सब स्मार्ट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्मार्ट शहर नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की पहचान हैं। घर–घर जाकर देखिए कोई बीमार–परेशान तो नहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि महापौर, चेयरमैन और पार्षद कोरोना की तीसरी लहर में भी प्रशासन और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें। उन्होंने

कहा कि विशेषज्ञों की राय में ओमिक्रोन वैरिएंट वाली यह तीसरी लहर पहले की तुलना में खतरनाक नहीं है लेकिन बीमारी तो बीमारी है, इसके नियंत्रण में लापरवाही ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि शहरी वार्डों में स्थानीय पार्षद अथवा किसी वरिष्ठ नागरिक की अध्यक्षता में निगरानी समिति को सक्रिय करें। एक–एक घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग कराएं और जरुरमंद लोगों को मेडिकल किट उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि पार्षद, महापौर और अध्यक्ष लोगों के टेस्ट कराएं, उनका हाल चाल पूछें। महापौर, चेयरमैन और पार्षद यह सुनिश्चित कराएं कि एक भी पात्र व्यक्ति राशन से वंचित न रहे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से रैन बसेरों में आवास और भोजन की अच्छी व्यवस्था करो के निर्देश दिए। आप हैं तो सब ठीक रहेगा प्रदेश के दस निकाय जनप्रतिनिधियों ने उनके क्षेत्र में हुए विकास और कोरोना संक्रमण की जानकारी मुख्यमंत्री को देते हुए कहा कि योगी हैं तो सब ठीक रहेगा। झांसी के दिनेश प्रताप, मथुरा से पार्षद मूलचंद गर्ग, कुशीनगर के पार्षद राजकुमार चौरसिया, मिर्जापुर से पार्षद कृष्णा तिवारी, मगहर से पार्षद भोलू पासवान ने संवाद किया। वहीं प्रयागराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के लिए सरकार के प्रयासों की खूब सराहना की। सोरों से चेयरमैन मुन्नी देवी ने सोरों को तीर्थ स्थल घोषित करने पर क्षेत्रीय जनता की ओर से सीएम योगी का आभार जताया।

मुख्यमंत्री योगी ने दिया कोरोना संदिग्धों की हर हाल में जांच का निर्देश : कहा– रोजाना 30 लाख लोगों का हो टीकाकरण

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि कोविड सैंपल जांच का दायरा 25 लाख से बढाकर 30 लाख किया जाए। संदिग्धों की हर हाल में जांच करें ताकि हर मरीज को ट्रेस किया जा सके। जिन जनपदों में टीकाकरण की गति धीमी है उस जनपद में विशेष प्रयास कर टीकाकरण की गति को तेज किया जाए। वह बृहस्पतिवार को अपने सरकारी आवास पर कोविड की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घर–घर स्क्रीनिंग अभियान के लिए स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण कराया जाए। संदिग्धा मरीजों को मेडिकल किट उपलब्ध कराए। हर जिले के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा इंटीग्रेटेड कोविड कमाण्ड सेन्टर में प्रतिदिन बैठक कर स्थिति की समीक्षा की जाए। मरीजों और उनके परिजनों से संवाद रखा जाए। लोगों को टेलीकंसल्टेशन की सुविधा उपलब्ध करायी जाए। टीईटी परीक्षा की तैयारी करें मुख्यमंत्री ने कहा कि 23 जनवरी 2022 को प्रस्तावित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को सुचारु रूप से कराने के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली जाए। यदि कोई कोविड पॉजिटिव अभ्यर्थी परीक्षा देने का इच्छुक हो तो उसके लिए अलग कक्ष की व्यवस्था की जाए। परीक्षा केंद्र पर एक कोविड केयर सेंटर की स्थापना की जाए। संदिग्ध एवं अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाए। उन्होंने कहा पेपर लीक जैसी किसी भी प्रकार की घटना स्वीकार नहीं की जाएगी। पेपर लीक होने पर सम्बन्धित जिलाधिकारीए बेसिक शिक्षा अधिकारीए परीक्षा केन्द्र प्रभारी सहित सभी की जिम्मेदारी तय होगी।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

प्रदेश में 18554 मरीज मिले : लखनऊ में 3643 नए केस और बुजुर्ग समेत दो संक्रमितों की मौत

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश में 18554 नए मरीज मिले हैं, जबकि 19328 लोग कोरोना को मात देने में कामयाब रहे हैं। इसी तरह अलग– अलग जिले में 10 लोगों की मौत हो गई है। प्रदेश में 24 घंटे के अंदर 247845 सैंपल की जांच की गई। इसमें एक लाख 26 हजार 953 की जांच आरटीपीसीआर से की गई। जांच में 18554 की रिपोर्ट पॉजिविट पाई गई है। प्रदेश में अब तक कुल 9 करोड़ 72 लाख 21 हजार 272 सैंपल की जांच की गई हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 97329 एक्टिव मामले है, जिनमे 94529 लोग होम आइसोलेशन में है। 24 घंटे में 10 लोगोंकी मौत हुई है। इसमें लखनऊ में दो, गाजियाबाद में दो, मेरठ, प्रयागराज, मैनपुरी, फिरोजाबाद, सोनभद्र, बागपत में एक–एक मरीज मिले हैं। कहां कितने मिले मरीज लखनऊ 3643, गौतमबुद्ध नगर 1684, गाजियाबाद 1456, मेरट 728, वाराणसी 503, आगरा 927, कानपुर नगर 531, प्रयागराज 370, सहारनपुर 459, मुजफ्फरनगर 459, गोरखपुर 257, मथुरा 489, मुरादाबाद 330, बरेली 381, बुलंदशहर 288, रामपुर 186, अलीगढ़ 193, बाराबंकी 280, लखीमपुर खीरी 194, हरदोई 198, बिजनौर 268, हापुड़ 194, शाहजहांपुर 246, बदायूं 191, अमरोहा 171, एटा 146, गाजीपुर 165, सुल्तानपुर 205, गोंडा 176, देवरिया 135, फर्रुखाबाद 103, सीतापुर 116, जालौन 123 मरीज हैं। अन्य जिलों में 100 से कम मरीज हैं। कैदी समेत 327 पॉजिटिव मिले झांसी जिले में कैदी समेत 327 कोरोना पॉजिटिव मिल गए हैं। अब झांसी में एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 1989 हो गई है। मेडिकल कॉलेज में 32 मरीज भर्ती हैं। जबकि, 1634 होम आइसोलेशन में हैं। लखनऊ में डेढ़ हफ्ते में कोरोना के पांच मरीज तोड़ चुके हैं दम लखनऊ में तेजी से बढ़ रहे कोरोना ने बृहस्पतिवार को बुजुर्ग समेत दो संक्रमितों की जान ले ली। निजी अस्पताल में भर्ती दोनों मरीज असाध्य बीमारी से भी ग्रस्त थे। वहीं, 3643 नए केस सामने आए तो 2745 मरीजों ने वायरस को मात भी दी। जिले में अभी 17,829 सक्रिय मरीज हैं। डेढ़ हफ्ते में पांच संक्रमित दम तोड़ चुके हैं। आईआईएम रोड निवासी 42 वर्षीय पुरुष लिवर–किडनी की बीमारी से ग्रस्त था। बुधवार को उसे अयोध्या रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका पहले से इलाज चल रहा था। डॉक्टरों ने भर्ती कर कोविड

की जांच कराई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। डॉक्टर मरीज की सेहत पर नजर बनाए थे, पर उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। इलाज के दौरान मरीज ने दम तोड़ दिया। वहीं, गोमतीनगर स्थित जुग्गौर निवासी 84 वर्षीय बुजुर्ग भी इसी अस्पताल में भर्ती थे। जांच में संक्रमण की पुष्टि होने पर उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया। इलाज के दौरान मरीज की सांसें थम गईं। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. मिलिंद वर्धन के मुताबिक मरीज को डायबिटीज की परेशानी पहले से थी। साथ ही उन्हें ब्रेन स्ट्रोक भी हुआ था। कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में मिले 1267 पॉजिटिव डॉ. मिलिंद के मुताबिक, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में 1267 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। ये सभी संक्रमितों के संपर्क में आए थे। वहीं, ऑपरेशन से पहले 88 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई, जबकि ट्रैवल हिस्ट्री के 197 केस मिले। उधर, 136 स्वास्थ्य कर्मचारी भी वायरस की चपेट में आ गए हैं। कमांड अस्पताल में 38 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सीएमओ ऑफिस में प्रतिरक्षण अधिकारी संक्रमित सीएमओ आफिस में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एमके सिंह की भी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई है। ऐसे में उनकी जगह टीकाकरण का काम डिप्टी सीएमओ डॉ. केडी मिश्रा को सौंपा गया है। सीएमओ ऑफिस में अभी तक दस से अधिक लोग पॉजिटिव आ चुके हैं। असाध्य बीमारियों से भी ग्रस्त थे पांचों मरने वाले तीसरी लहर में जिले में अभी तक जिन पांच संक्रमितों की जान गई है, वे सभी पहले से किसी असाध्य बीमारी से ग्रस्त थे। डॉ. मिलिंद के मुताबिक, जिनकी भी अस्पताल में मौत हुई वे दूसरी बीमारी का इलाज कराने आए थे। जांच में उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। बृहस्पतिवार को अलीगंज में 530, चिनहट में 490, आलमबाग में 474, इंदिरानगर में 252 मरीज मिले।

चारों पार्किंग के लिए बन रहा ऐप : घर से निकलने के पहले बुक करा सकेंगे पार्किंग

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में आने वाले दिनों में घर से निकलने के पहले लोग पार्किंग में जगह बुक करा सकेंगे। अब आप अपनी पार्किंग ऑनलाइन बुक कर सकेंगे। वाराणसी में बनी चार पार्किंग में कौन सी पार्किंग आपके करीब है और किस पार्किंग में जगह है, ये आप ऐप से देख सकेंगे। साथ ही पार्किंग की स्पेस बुक भी कर सकेंगे। स्मार्ट सिटी लिमिटेड

के सीएमडी प्रोजेक्ट्स एंड कोआर्डिनेशन डॉ. डी वासुदेवन ने बताया कि काशी के सबसे भीड़ वाले इलाकों में यातायात को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार पार्किंग को और आधुनिक बनाने जा रही है। अब सरकार गाड़ी पार्क करने की सुविधा के लिए ऐप लांच करेगी। जिसका जिम्मा स्मार्ट सिटी को दिया गया है। इस ऐप के जरिए आप अपने निकट के पार्किंग तक पहुंच सकेंगे। पहले से ही वहां पार्किंग की उपलब्धता जान सकेंगे। अपने मन मुताबिक जगह को ऐप के जरिये बुक कर सकेंगे। बुक करने के पेमेंट करने के बाद टिकट भी आपके मोबाइल पर जाएगा। जिससे आप लाइन में लगने से बच जाएंगे। आप का समय भी खराब नहीं होगा। चार पहिया व दो पहिया वाहन के लिए स्थान है कि नहीं ऐप पर 24 घंटे शो करेगा। इस ऐप पर करीब सात दिनों तक की बुकिंग की सुविधा देने का प्लान है। सरकार ने कुछ महीने पहले चार पार्किंग जनता की सहूलियत के लिए लोकार्पण किया था। जिसमें गोदौलिया मल्टीलेवल पार्किंग में 375 दो पहिया खड़े किए जा सकते हैं। बेनियाबाग भूमिगत पार्किंग में 470 चार पहिया तथा 130 दो पहिया वाहन खड़े किए जा सकते हैं। टाउनहाल में 150 चार पहिया व 200 दो पहिया खड़े किए जा सकते हैं। सर्किट हाउस अंडर ग्राउंड पार्किंग भी 178 दो पहिया वाहन और 112 कार खड़े किए जा सकते हैं।

नाइट कर्फ्यू में बिना मेडिकल कारण के निकले तो होगी कार्यवाही : पहले की तरह ही लागू रहेंगे सभी प्रतिबंध

वाराणसी ब्यूरो : कोरोना संक्रमण की रफ्तार थामने के लिए वाराणसी में रात्रि का कर्फ्यू जारी रहेगी। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा की ओर से नौ जनवरी को जारी आदेश को अगली तारीख तक के लिए लागू कर दिया गया है। इसमें कक्षा–10 तक के बच्चों एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का घर से निकलना प्रतिबंधित कर दिया गया है। रात का कर्फ्यू रात्रि 10 बजे से सुबह छह बजे तक जारी लागू रहेगा। शादी समारोह व अन्य आयोजनों में 50 फीसदी क्षमता या अधिकतम 100 व्यक्तियों की अनुमति होगी। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि रात 10 बजे के बाद बिना किसी मेडिकल कारण के घर से बाहर निकलने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। धार्मिक स्थल में पीक आवर्स में श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करने के लिए समयसारिणी जारी होगी। सार्वजनिक पार्क, घाट, मैदान, स्टेडियम में अपराह्न चार बजे के बाद जाना प्रतिबंधित किया गया है। इसमें नाव संचालन की अनुमति रहेगी, मगर घाट पर रुकना या गंगा पार रेती पर जाने पर रोक जारी रहेगी। कोरोना के अलग–अलग टेस्ट के रेट तय जिलाधिकारी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार के चिकित्सा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने कोविड–19 से संबंधित संक्रमण की जांच के लिए फीस निर्धारित की है। इसका उल्लंघन जिस किसी के द्वारा भी किया जाएगा, उसके खिलाफ महामारी अधिनियम 1897 और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम–2005 के तहत विधिक कार्रवाई होगी। निजी चिकित्सालय द्वारा निजी प्रयोगशालाओं को प्रेषित सैम्पल की जांच की दर अथवा किसी व्यक्ति द्वारा प्रयोगशाला पर जाकर कोविड–19 की जांच कराने पर दर 700 रुपये मात्र जीएसटी सहित, निजी प्रयोगशालाओं द्वारा स्वयं एकत्र किए गए सैंपल की दर 900 रुपये मात्र जीएसटी सहित व यदि राज्य सरकार के विहित प्राधिकारी द्वारा निजी प्रयोगशालाओं को सैंपल प्रेषित कराए जाने पर दर 500 रुपये मात्र जीएसटी सहित हैं। इसी प्रकार निजी प्रयोगशालाओं के एंटीजन व टूनॉट के परीक्षण के मूल्यों हेतु भी दरें निर्धारित की गई है। जिसके अनुसार एंटीजन टेस्ट 250 व टूनॉट जांच 1250 मात्र (घर से सैंपल कलेक्शन हेतु 200 रुपये मात्र अतिरिक्त) किया गया है। इसके अलावा निजी चिकित्सालयों एवं निजी चिकित्सकों द्वारा रेडियो डायग्नोस्टिक केंद्रों को संदर्भित एचआर सीटी स्कैन की जांच करने की दर भी तय कर दी गई है। स्पा, जिम, पर्यटक स्थल और म्यूजियम बंदस्पा, जिम, पर्यटक स्थल और म्यूजियम बंद जिले भर के सभी स्पा, जिम, वाटर पार्क, पर्यटन स्थल, आर्कियोलॉजिकल स्थल, म्यूजियम, स्वीमिंग पुल बंद रहेगा। ऑटो और ई–रिक्शा में चार सवारियों से ज्यादा सवारी नहीं बैठाया जाएगा। इसका सख्ती से पालन थाना स्तर से एवं यातायात पुलिस के द्वारा कराया जाएगा। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन सहित अन्य जगहों पर लाइन लगाकर यात्रियों को प्रवेश दिया जाए। सिनेमा हॉल, रेस्टोरेन्ट, होटल के रेस्टोरेन्ट, फूड ज्वाइंट्स में किसी भी दशा में 50 प्रतिशत क्षमता से ज्यादा लोग नहीं रहेंगे। कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना जरूरी सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान तथा मार्केट कमेटी यह सुनिश्चित कराएंगे कि उनके सभी दुकानदार, दुकान के कर्मचारी तथा ग्राहक मास्क पहन के रहें। बिना मास्क पहने ग्राहकों को किसी भी दशा कोई सामग्री कय–विक्रय नहीं की जाएगी। कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना प्रत्येक व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सरकारी कार्यालयों एवं धार्मिक संस्थाओं एवं धार्मिक स्थानों में अनिवार्य रूप से होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि कोविड टीकाकरण के लिए जारी पहले के आदेश प्रभावी होंगे।

तेज बर्फीली हवाओं की चेतावनी, दिन ढलने के साथ बढ़ती जा रही गलन : न्यूनतम पारा 5.5 डिग्री दर्ज

लखनऊ ब्यूरो : पाकिस्तान में करवट लेते मौसम को देख आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र ने अलर्ट किया है। जारी चेतावनी में बारिश के साथ–साथ तेज बर्फीली हवाएं चलने के आसार जताए गए हैं। वहीं दिन में धूप खिलने के बावजूद लोगों को राहत नहीं मिल रही। रातें सर्द होती जा रही हैं। जैसा कि उम्मीद थी कि बुधवार की सुबह खिली धूप रात का तापमान गिराएगी। हुआ भी वही, एक दिन पहले के न्यूनतम तापमान 8.1 की तुलना में रात का तापमान 5.5 डिग्री दर्ज हुआ। बृहस्पतिवार की सुबह बरसात के साथ हुई। थोड़ी देर की बूंदाबांदी ने गलन बढ़ा दी। बदली छाई रही, 12 बजे के बाद धूप निकली, पर बेअसर रही। दोपहर 2.30 बजते–बजते फिर बदली छा गई और एकाएक गलन बढ़ती चली गई। मौसम बुलेटिन के मुताबिक, दिन का अधिकतम तापमान 17.8 डिग्री रहा। एक दिन पहले के 14.6 के मुकाबले इसमें 3.2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई, लेकिन ये सामान्य से 3.8 डिग्री कम ही रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, उत्तरी पाकिस्तान और आसपास पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता जारी रहेगी। इसके चलते 21 से 23 जनवरी तक बारिश की संभावना तेज हो गई है। अभी जारी रहेगा तापमान में उतार–चढ़ाव मौसम विभाग की वेबसाइट पर जारी किए गए पूर्वानुमान बता रहे हैं कि अभी पारे में उतार–चढ़ाव जारी रहेंगे। 26 जनवरी तक बदली छाई रहेगी। इस बीच न्यूनतम तापमान 7 डिग्री से 13 डिग्री और अधिकतम तापमान 17 डिग्री से 20 डिग्री के बीच रहेगा।

नवजात बच्ची को जिंदा फेंकने का मामला: पुलिस ने नहीं दर्ज किया केस

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के गुलरिहा इलाके के सियारामपुर गांव के टोला नंदापार के पूरब स्थित दुर्गा मंदिर के पीछे नवजात बच्ची के लावारिस मिलने के बाद भी पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। जबकि, प्रधान चंदा की ओर से प्रधान प्रतिनिधि हनुमान निषाद ने आगे बढ़कर बुधवार को

ही थाने में तहरीर दे दी थी। जांच के नाम पर पुलिस इस मामले में टालमटोल कर रही है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को दुर्गा मंदिर के पास नवजात बच्ची लावारिस हाल में मिली थी। प्रधान ने तहरीर में लिखा है कि मंगलवार की शाम सात बजे सियारामपुर में दुर्गा मंदिर के पीछे जीवित नवजात बच्ची मिली थी। नवजात का परित्याग करना कानूनी अपराध है, इसलिए केस दर्ज कर कार्रवाई की जाए। उनके तहरीर देने के बाद भी पुलिस इस मामले को जांच के नाम पर टाल रही है, जबकि अपराध साफ है। धारा 317 में इसका साफ उल्लेख है कि अगर कोई 12 साल आयु से कम बच्चे का परित्याग करता है तो यह अपराध है, फिर भी पुलिस इस गंभीर मुद्दे पर उदासीन बनी हुई है। गुलरिहा इंस्पेक्टर अमित दुबे ने कहा कि मामले की जांच सरहरी पुलिस चौकी इंचार्ज को दी गई है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

योगी न बन सकें तो उपयोगी अवश्य बनें।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

हमीरपुर : ध्वस्त हो चुकी है राधामोहन गोकुल की समाधि

हमीरपुर जिले के कुलपहाड़ पहुंचकर हमने खोही गांव का रास्ता पूछा है। अजनर से थोड़ा आगे पहाड़ की तलहटी में बसी बुंदेलखंड की इस बस्ती में क्रांतिकारी राधामोहन गोकुल को कोई नहीं जानता। चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह की शहादत के बाद कानपुर से हटकर राधामोहन जी ने अपनी गतिविधियों का केंद्र इसी इलाके को बनाया। छोटे–से पहाड़ के नीचे बने घरों की खोही बस्ती के निकट कुछ समय तक एक विद्यालय का संचालन करते हुए तीन सितंबर, 1935 को जब राधामोहन जी का निधन हुआ, तभी लोगों को यहां उनके गुप्त विप्लवी कार्यों का पता लगा था।

गांव के कुछ लोग हमारे पास आ गए हैं, पर राधामोहन जी के नाम और काम से कोई परिचित नहीं। मेरी डायरी में उनके समाधि–स्थल का विवरण दर्ज है। 'यहां गोंड़ बाबा का चबूतरा कहां है?' मैंने गांव के एक व्यक्ति से पूछा। उसने बांस के झुरमुट के पास बने चबूतरे की तरफ इशारा किया। फिर हमने गांव के बाहर नाले की तलाश की, जिसके पार एक खेत में समाधि के चिह्न मिले, जिस पर वृक्ष गिर जाने से राधामोहन जी की यह अंतिम यादगार अब ध्वस्त हो चुकी है।

स्वामी ब्रह्मानंद ने (हमीरपुर से सांसद) उन दिनों यहां एक विद्यालय चलाने की योजना बनाई थी। खोही आने के दिनों में राधामोहन जी 70वें वर्ष में प्रवेश कर चुके थे। कानपुर से जो युवक उनके साथ आए, उनमें एक अशोक कुमार बोस थे। ब्रह्मानंद जी ने विद्यालय का संचालन राधामोहन जी को सौंप दिया। साथी युवकों को राधामोहन जी ने समझाया कि विद्यालय तो एक आड़ है। मुख्य लक्ष्य यहां रहकर शोषित–पीड़ित, निर्धन और अनपढ़ लोगों को संगठित करना है, ताकि भावी क्रांति के लिए सशक्त पृष्ठभूमि तैयार की जा सके। आगे चलकर किसी ने पुलिस को सूचना दे दी कि कानपुर से जो बाबा खोही के विद्यालय में आया है, वह लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ भड़काता तथा बम बनाना सिखाता है।

खबर कलक्टर तक पहुंची। राधामोहन जी को बुलाया गया। वह बीमार थे, सो हमीरपुर तक का सफर टट्टू पर बैठकर तय करना पड़ा। यह अगस्त, 1935 के दूसरे पखवाड़े की बात है। अधिकारी ने उन्हें धमकाया, पर वह झुके नहीं। बीमारी से निढाल थे, सो खोही लौटते ही बिस्तर पर पड़ गए। साथियों ने उनकी बहुत सेवा की, पर घनघोर पिछड़े इलाके में दवा–उपचार कहां! उनके न रहने पर एक अखबार ने मुखपृष्ठ पर बड़ा–सा चित्र देते हुए समाचार छापा, तभी लोगों को उनके ऐतिहासिक महत्व का पता लगा। राधामोहन जी की गिनती उन क्रांतिकारियों में नहीं की जा सकती, जो पिस्तौल या बम लेकर संघर्ष कर रहे थे।

वह उनके अनोखे सहयोगी, मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत थे। उनका जन्म पांच दिसंबर, 1865 को इलाहाबाद के निकट भदरी गांव में हुआ था। शुरुआती दौर में वह इलाहाबाद और फिर रीवां पहुंचे। फिर कानपुर मुकाम हुआ। प्रतापनारायण मिश्र के संपर्क में आने पर उन्होंने लिखना शुरू किया। वह उनके पत्र ब्राह्मण के अवैतनिक मैनेजर रहे। बीकानेर और आगरा में भी उन्होंने कुछ समय गुजारा। वर्ष 1904 में कलकत्ता पहुंचकर उन्होंने क्रांतिकारियों की मदद की। आशुतोष लाहिड़ी से उनका नजदीकी रिश्ता था।

वर्ष 1921 में नागपुर में 'असहयोग आश्रम' बना, तो वह वहां भी जा पहुंचे। आगे चलकर क्रांतिकारी सुरेश चंद्र भट्टाचार्य और विजय कुमार सिन्हा के जरिये चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह से उनका जुड़ाव हुआ। वर्ष 1925 में कानपुर में पहली कम्युनिस्ट कांफ्रेस आयोजित करने में सत्यभक्त को राधामोहन और हसरत मोहानी ने सबसे बड़ा सहयोग किया। सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' भी राधामोहन जी के संपर्क में थे। निराला की बादल राग और नए पत्ते कविताओं में इस विचार–चेतना को चीन्हा जा सकता है।

प्रेमचंद ने एक आलेख में राधामोहन जी को 'आधुनिक चार्वाक' कहा था। डॉ. रामविलास शर्मा के अनुसार, राधामोहन जी प्रेमचंद और निराला की महान साहित्यिक परंपरा के निर्माता थे। उन्होंने अपनी पुस्तक भारत में अंग्रेजी राज और मार्क्सवाद में राधामोहन जी को पर्याप्त स्थान दिया है। नारायण प्रसाद अरोड़ा ने उनके लेखों का संग्रह विप्लव प्रकाशित किया, जिसकी समीक्षा प्रेमचंद ने लिखी थी। राधामोहन जी लंबे समय तक प्रणवीर का भी संपादन और प्रकाशन करते रहे।

उनकी प्रसिद्ध पुस्तक देश का धन का प्रकाशन 1908 में हुआ था, जिसमें अर्थनीति संबंधी उनकी दृष्टि का खुलासा होता है। उसी वर्ष महावीर प्रसाद द्विवेदी की संपत्तिशास्त्र भी छपकर आई थी। राधामोहन जी ने एक और पुस्तक हिंदी भाषा तत्वदीपिका की रचना की। उन्होंने लाला लाजपत राय, नेपोलियन बोनापार्ट, मैजिनी और गैरीबाल्डी के जीवन–चरित्र लिखे। उनके दो विस्फोटक आलेख ईश्वर का बहिष्कार और धर्म और ईश्वर की एक समय खूब चर्चा रही।

चिंतन के जिस बिंदु पर भगत सिंह 1931 में पहुंचे, राधामोहन जी ने वह चेतना पांच–छह वर्ष पहले ही अर्जित कर ली थी। चार वर्ष पूर्व आगरा के केंद्रीय कारागार में राधामोहन जी की स्मृति में द्वार, पत्थर और उनका चित्र लगवाने के बाद खोही गांव के मोड़ पर उनकी स्मृति–शिला स्थापित कर हमने गांववासियों को इसकी देखरेख का दायित्व सौंप दिया है। यहां से लौटते हुए खेत में राधामोहन जी की जमींदोज हो चुकी समाधि की ओर देखना हमें पीड़ा भी देता है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

पंडित बिरजू महाराज की अस्थियां लेकर आज पहुंचेंगे परिजन : कल गंगा में विसर्जन से पहले निकलेगी यात्रा

वाराणसी ब्यूरो : कथक सम्राट पद्मविभूषण पं. बिरजू महाराज की अस्थियां गंगा में विसर्जित होंगी। 21 जनवरी की देर रात परिजन पं. बिरजू महाराज की अस्थियों को लेकर बनारस आएंगे। अस्सी घाट पर विसर्जन के विधि–विधान पूर्ण करने के बाद गंगा की मध्य धारा में अस्थियां प्रवाहित की जाएंगी। उनके चाहने वाले और शिष्य अस्थियों का अंतिम दर्शन कस्तूरबा नगर कॉलोनी स्थित नटराज संगीत अकादमी परिसर में कर सकेंगे। गुरुवार को को पं. बिरजू महाराज के पुत्र पं. जयकिशन महाराज और शिष्या शाश्वती सेन अस्थि कलश लेकर दिल्ली से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। नटराज संगीत अकादमी परिसर में रखी जाएंगी अस्थियां 21 जनवरी को सुबह से लेकर शाम तक पं. बिरजू महाराज का अस्थिकलश लखनऊ स्थित उनके पैतृक आवास बिंदादीन की ड्योढ़ी पर रखा जाएगा। दिन भर लखनऊ में उनके प्रशंसक और चाहने वाले अस्थि कलश पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सूर्यास्त के बाद परिजन अस्थि कलश लेकर काशी के लिए रवाना हो जाएंगे। पं. बिरजू महाराज की शिष्या संगीता सिन्हा ने बताया कि पंडित बिरजू महाराज की अस्थियां, अंतिम दर्शन के लिए सिगरा के कस्तूरबा नगर कॉलोनी स्थित नटराज संगीत अकादमी परिसर में रखी जाएंगी। काशी के कलाकार और उनके प्रशंसकों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद अस्थि कलश खुले वाहन पर रखकर अस्सी घाट ले जाया

जाएगा। अस्थि कलश यात्रा 22 जनवरी को पूर्वाह्न 9 बजे आरंभ होगी। अस्सी घाट पर वैदिक रीति से अस्थि कलश का पूजन। अस्सी घाट पहुंचने के बाद वैदिक रीति से अस्थि कलश का पूजन किया जाएगा और फिर गंगा की मध्य धारा में उसका विसर्जन पं. बिरजू महाराज के परिजनों द्वारा किया जाएगा। संगीता सिन्हा ने बताया कि हम सब चाहते थे कि पहले महाराजजी का अस्थि कलश कबीरचौरा मोहल्ले में रखा जाए, लेकिन उस क्षेत्र में सड़क खोदाई का काम जारी होने के कारण दिक्कतों को देखते हुए अस्थि कलश के अंतिम दर्शन नटराज संगीत अकादमी में कराने का निश्चय किया गया।

संत रविदास जयंती पर वाराणसी डीएम ने की तैयारियों की समीक्षा : प्रशासन करेगा भीड़ प्रबंधन : संदिग्धों पर होगी नजर

वाराणसी ब्यूरो : संत रविदास की जयंती पर जिला प्रशासन भीड़ प्रबंधन के साथ ही संदिग्धों पर भी नजर रखेगा। संत रविदास की कर्मभूमि वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर में 16 फरवरी को रविदास जयंती पर आने वाले रैदासियों की भीड़ को देखते हुए व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर में रविदास जयंती पर व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम ने व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित किए जाने पर जोर दिया। अधिकारियों को दिए गए निर्देश जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम आयोजन से संबंधित परिसर का फ्लोर प्लान तैयार करें। मेला क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, शौचालय, मोबाइल शौचालय, प्रकाश, पेयजल, फायर बिग्रेड, चिकित्सा काउंटर एवं एंबुलेंस की सेवा के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। बीएचयू तथा हेरिटेज अस्पतालों के मार्ग को क्लियर रखने को भी कहा। डीएम ने मंदिर में सुरक्षा के इंतजाम के साथ ही छुट्टा पशुओं की समस्या को दूर करने के लिए नगर निगम को अभियान चलाने का निर्देश दिया। संदिग्धों पर नजर रखने के लिए एलआईयू, शहर के अमीनों तथा एएसडीएम को पुलिस के साथ संयुक्त

रूप से ड्यूटी पर तैनात करने के लिए एडीएम सिटी को निर्देश दिया। मंदिर प्रबंधन से वालंटियर की सूची मांगकर अधिकारियों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया गया है। लंगर के लिए खाद्य सामग्रियों के भंडारण से सैंपल कलेक्शन करने के लिए फूड सेफ्टी के कर्मचारियों को लगाने का भी निर्देश दिया। परिसर में एंबुलेंस के आने–जाने का मार्ग क्लियर रखने के साथ ही बड़ी गाड़ियों को नेशनल हाईवे की ओर से प्रवेश कराने का निर्देश दिया। बैठक में सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

वाराणसी में बाहुबली विधायक विजय मिश्रा के बेटे–बेटी सहित 10 पर एक और मुकदमा दर्ज

वाराणसी ब्यूरो : सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता को धमकाने सहित अन्य आरोपों में विधायक विजय मिश्र के बेटे–बेटी और दामाद समेत 10 लोगों पर एक और मुकदमा वाराणसी के जैतपुरा थाने में दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार इस प्रकरण में कुर्की नोटिस के बावजूद हाजिर नहीं होने और जवाब भी न देने पर कोर्ट के आदेश की अवहेलना के मामले में यह कार्रवाई की गई। जैतपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रभुकांत के अनुसार भदोही के गोपीगंज थाने के कौलापुर निवासी विजय मिश्र के पुत्र विष्णु मिश्रा, प्रयागराज के अल्लापुर की निवासी बेटी रीमा पांडेय, कौलापुर निवासी प्रकाश चंद्र मिश्रा, विकास मिश्रा, जौनपुर के बरसठी थाना अंतर्गत नरहर निवासी बीमा दुबे व उसके पति राज दुबे उर्फ पंकज दुबे, मुंबई में रहने वाली गरिमा तिवारी और उसके पति मुकेश तिवारी, रतन मिश्रा और विमलधर दुबे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गायिका ने दर्ज कराया केस इस मामले में दो दिसंबर 2021 को आगरा जेल से लाकर विजय मिश्र को अदालत में पेश किया गया था। वहीं, विधायक के भतीजे और भदोही के डीघ ब्लाक प्रमुख मनीष मिश्रा को आठ दिसंबर 2021 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता ने 13 सितंबर 2021 को जैतपुरा थाने में विजय मिश्र समेत 14 लोगों पर धमकाने सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज करवाया था। पांच में माह में सिर्फ दो की हो सकी गिरफ्तारी विधायक विजय मिश्र के परिजन पर कार्रवाई के नाम पर पांच माह में पुलिस ने सिर्फ भतीजे सतीश मिश्रा और डीघ ब्लाक प्रमुख मनीष मिश्रा को ही गिरफ्तार कर सकी है। जबकि विधायक के फरार बेटे विष्णु, तीन बेटियों और दामाद सहित अन्य आरोपियों की पुलिस को लोकेशन नहीं मिल पा रही है। पिछले माह जैतपुरा थाने की टीम

मुंबई भी गई थी लेकिन खाली हाथ लौटी। मुकदमा दर्ज होने के पांच माह बाद आरोपियों का ठिकाना तक पुलिस नहीं पता कर पाई। यही वजह रही कि कुर्की का तामिल नोटिस का जवाब नहीं देने पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया। ये है पूरा मामला दो साल पूर्व अक्तूबर 2020 को भदोही जिले के ज्ञानपुर थाने में विधायक विजय मिश्र, बेटे विष्णु मिश्र सहित तीन के खिलाफ गायिका ने सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। जैतपुरा क्षेत्र की रहने वाली गायिका का आरोप था कि विधायक विजय मिश्र, उनके बेटे और नाती ने जनवरी 2014 से दिसंबर 2015 के बीच सामूहिक दुष्कर्म किया। इस मामले में पुलिस ने विधायक विजय मिश्र को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया था। युवती का आरोप है कि दुष्कर्म के उसी मुकदमे में समझौता करने का दबाव बनाने के लिए विजय मिश्र के इशारे पर उनकी तीन बेटियां, बेटा, भतीजे और दामाद सहित अन्य रिश्तेदार उसके जैतपुरा स्थित घर में जबरन घुसे और धमकी देते हुए सादे कागजों पर हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया। इस आधार पर गायिका की तहरीर पर विधायक विजय मिश्र, उनके बेटे–बेटियों, दामादों और भतीजों सहित 14 लोगों के खिलाफ 13 सितंबर 2021 को जैतपुरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में विधायक के भतीजे आरोपी डीघ ब्लॉक प्रमुख मनीष मिश्र को भदोही पुलिस ने छह दिसंबर 2021 को मिर्जापुर से गिरफ्तार किया था। वहीं कमिश्नरेट पुलिस ने आरोपी भतीजे सतीश मिश्रा को प्रयागराज के टैगोर टाउन से 27 दिसंबर को गिरफ्तार किया था।

उत्तर प्रदेश चुनावों में राजनैतिक दलों में मुस्लिम तुष्टिकरण की होड़ : मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : राजनीतिक विश्लेषक मृत्युंजय दीक्षित के अनुसार उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम राजनीति व तुष्टिकरण का काफी प्रभाव रहा है। चाहे लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा यहाँ तक कि नगर निगम तक के चुनावों में भी प्रदेश के तथाकथित सेकुलर राजनैतिक दल किसी न किसी प्रकार से मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे हैं। 2014 लोकसभा में मोदी लहर व 2017 में योगी सरकार बनने के बाद ऐसा लग रहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति का प्रभाव बहुत कम हो गया जिस पर सभी राजनैतिक विश्लेषक भी आश्चर्यचकित रह गए। 2022 में योगी सरकार कीअपराधियों के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति, श्रीरामजन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण प्रारंभ होने और काशी विश्वनाथ धाम के नवीनीकरण से उपजे सत्ता समर्थन को देखकर भाजपा के विरोधी राजनैतिक दल एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति को नये आक्रामक अंदाज में धार देने लग गये हैं। प्रदेश में सभी राजनैतिक दल अपने उम्मीदवारों के चयन को अंतिम रूप दे रहे हैं। जिसमें सपा,बसपा और कांग्रेस सहित औवेसी ने भी अपने पत्ते खोलने शुरू कर दिए हैं। सभी दल मुस्लिम तुष्टिकरण की होड़ में हिंदू विरोधी साबित होते जा रहे हैं। समाजादी पार्टी ने अब तक जितने भी मुस्लिम उम्मीदवार बनाए हैं उन सभी के ऊपर दंगा कराने से लेकर हर तरह के अपराध करने में मुकदमें दर्ज हैं। सपा के कई उम्मीदवार जेल में बंद हैं। सपा ने कैराना से हिंदुओं के पलायन के लिये जिम्मेदार नाहिद हसन को टिकट दिया ,यह कुख्यात अपराधी है जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और जमानत याचिका खारिज कर दी गयी है। इसी प्रकार धौलाना से असलम चौधरी, बुलंदशहर से हाजी युनूस, मेरठ से रफीक अंसारी लोनी से मदन भैया साहिबाबाद से अमरपाल रूना से दिलनवाज को चुनाव में उतारा है। समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम तुष्टिकरण की सभी हदों को पार करते हुए पूर्व मंत्री व जेल में बंद आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को प्रेस वाता में अपने बगल में बैठकार सम्मानित किया। यही नहीं सपा ने भारत माता को डायन बताने वाले व जेल में बंद आजम खां को भी फिर से अपना उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है। सहारनपुर जिले में 2014 में गुरूद्वारे की भूमि को लेकर हुए दंगे में मुख्य आरोपी मोहर्रम अली उर्फ पप्पू भी सपाई हो गया है। यह सहारपुर का पूर्व पार्षद है जिस पर वहां की पुलिस ने 87 मुकदमें दर्ज कर रखे हैं। सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव और सिख समाज के नेता अभिषेक अरोड़ा ने इस पर तीखा विरोध दर्ज कराया है। अभी जब समाजवादी पार्टी की पूरी सूची आ जायेगी तब हालात और साफ हो जायेंगे कि सपा बदली नहीं अपितु बदले की भावना से यह और खतरनाक होती जा रही है। सभी सर्वे से पता चल रहा है कि प्रदेश का 77 प्रतिशत मुसलमान सपा को वोट करने जा रहा है लेकिन जिस प्रकार से सपा का आचरण चल रहा है वह उसके विपरीत भी हो सकता है। सपा मुस्लिम तुष्टिकरण के नाम पर सीएए और एनआरसी का विरोध कर रही है। सपा ने मुसलमानों को खुश करने के लिए अयोध्या में जमीन घोटाले का आरोप लगाया और श्रीराम मंदिर के लिए दान करने वाले लोगों का अपमान किया। सपा को अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण रास नहीं आ रहा है। अब बात करते हैं कांग्रेस की, अभी तक यह कहा जा रहा था कि प्रदेश की राजनीति में इस बार कांग्रेस शून्य की ओर जा रही है अतः अपने अस्तित्व पर आ रहे संकट को बचाकर रखने के लिए कांग्रेस ने महिलाओं और मुस्लिम समाज पर दांव चल दिया है। चुनाव के आरम्भिक दौर में ही कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने अयोध्या पर एक पुस्तक लिखी थी जिसके कई अंशों ने राजनैतिक खलबली मचा दी थी। सलमान खुर्शीद ने अपनी पुस्तक के माध्यम से हिंदू बनाम हिंदुत्व के एजेंडे को नया रूप देने का असफल प्रयास किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना बोको हरम जैसे आतंकी संगठन से करके अपनी करायी थी। कांग्रेस ने उन्हीं सलमान की पत्नी लुईस खुर्शीद को टिकट दिया है। यह वही लुईस हैं जिन पर समाजसेवा के नाम पर दिव्यांगजनों की रकम खाने का भी आरोप है। लुइस पर अभी भी मुकदमा चल रहा है। कांग्रेस ने लखनऊ मध्य से सीएए विरोधी दंगों में शामिल महिला को टिकट देकर अपने इरादे जाहिर कर दिये हैं। उप्र चुनाव से पहले इस्लामिक मौलवी और इत्तेहाद –ए– मिल्लत काउंसिल के प्रमुख तौकीर रजा खान कांग्रेस में शामिल हो गये हैं। यह वही रजा हैं जिन्होंने कुछ समय पहले हिंदुओं के नरसंहार का आहवान किया था। भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि मीडिया ने इस मौलाना का एक वीडियो दिखाया था जिसमें वह हिंदुओं के खिलाफ जहर उगल रहे थे। तौकीर रजा खान पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कर चुके हैं और उन पर केस दर्ज है। मौलाना तौकीर रजा एक ऐसा व्यक्ति है जो पहले अमेरिकी राष्ट्रपति का सिर कलम करने का फतवा भी जारी कर चुका है। वह हिंदू समुदाय को भी धमकी देता रहा है। मौलाना ने एक बार कहा था कि अगर कानून व्यवस्था उनके हाथ में आ गई तो हिंदुओं को भारत में रहने के लिए जह नहीं मिलेगी। वे यह भी कहते हैं कि वे भारत का नक्शा भी बदल देंगे। मौलाना ने अब कांग्रेस को अपना समर्थन भी दे दिया है जिसका आज कड़ा विरोध किया जा रहा है। सभी सेकुलर दलों का हिंदू विरोधी चेहरा बेनकाब होता जा रहा है। यह लोग हिंदू समाज को डराने– धमकाने व विभाजनकारी रणनीति पर काम कर रहे हैं। कांग्रेस व सेकुलर दलों के लोग हिंदू धर्मसंसद में दिये गये भाषणों पर तो खूब हल्ल मचाते हैं और कोर्ट तक पहुंच जाते हैं लेकिन जो लोग हिंदू समाज के नरसंहार की धमकी दे हैं और अपना वीडियो जारी करते हैं उन्हें यह सभी पार्टियां गले लगा रही हैं। सेकुलरवाद का दोहरा और विकृत चेहरा इस बार विधानसभा चुनावों में साफ दिखायी पड़ रहा है। सभी टीवी चौंनलों पर जो बहस आ रही है उसमें सभी सेकुलर दलों के प्रवक्ता तौकीर रजा का बचाव कर रहे हैं किसी भी दल ने तौकीर का खुला विरोध नहीं किया क्योंकि अब राजनीति ही सेलेक्टिव हो गयी है। रही बात बसपा की तो उसने भी अब तक 14 मुस्लिमों को मैदान में उतारा है और सीएए जैसे कानूनों का विरोध करती रही है। प्रदेश में राजनतिक पकड़ को मजबूत बनाने का प्रयास कर रहे ओवैसी न अतीक अहमद की पत्नी को अपना उम्मीदवार बनाया है। एक प्रकार से कोई भी दल मुस्लिम तुष्टिकरण में पीछे नहीं रहना चाहता है और इसलिए हिंदू धर्म के खिलाफ नफरत के बीज बोना अनिवार्य हो गया है।

आज माताएं रखेंगी संतान की सुख–समृद्धि–आरोग्यता का व्रत : जानें–महत्व शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

वाराणसी ब्यूरो : माघ कृष्ण पक्ष की चतुर्थी पर विघ्नेश्वर गणेश की आराधना होगी। संकष्टी गणेश चतुर्थी पर चंद्रोदय काल में महिलाएं 21 जनवरी को निर्जला व्रत रखेंगी। शास्त्रीय मान्यताओं के मुताबिक, माताएं संतान की दीर्घायु, आरोग्यता, सुख–समृद्धि की कामना के लिए भगवान गणेश की विशेष रूप से उपासना करती हैं। चंद्रोदय के उपरांत अर्घ्य देकर भगवान गणेश का विधि–विधान से पूजन होगा। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य पं. दीपक मालवीय ने बताया कि सनातन संस्कृति में माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश जी की विशेष आराधना की जाती है। चतुर्थी तिथि 21 जनवरी को सुबह 7.26 बजे से लेकर 22 जनवरी शनिवार की सुबह 7.24 बजे तक रहेगी। वहीं, चंद्रोदय रात 8.39 बजे होगा। चतुर्थी तिथि में चंद्रोदय काल मिलने से माताएं 21 को व्रत रखेंगी। पुराणों की मानें तो संकटा चौथ के दिन ही भगवान गणेश के जीवन पर सबसे बड़ा संकट आया था। उन्हें हाथी का मस्तक लगाया गया था। संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश का व्रत करने से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है। मान्यता है कि संकष्टी चतुर्थी के दिन इसकी कथा सुनने से गणपति की कृपा प्राप्त होती है। व्रत की पूजन विधि महिलाएं सुबह स्नान करने के बाद गणेश जी के व्रत का संकल्प लें। रात में नूतन वस्त्र धारण कर भगवान गणेश का पूजन करें। ओम गं गणपतये नमः मंत्र का जाप, गणेश स्तुति, गणेश चालीसा, संकटा चौथ व्रत कथा का श्रवण करें। पूजन में पांच मौसमी फल के साथ

ही काली तिल और गुड़ से बने लड्डू, फूल–दुर्वा, अक्षत चढ़ाएं। इसके बाद दुग्ध से चंद्रदेव को अर्घ्य दें। पूजन के पश्चात फलाहार ग्रहण करें। व्रत के दिन गणेश मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतार लगती है। संक्रमण के कारण मंदिरों में कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार दर्शन पूजन होंगे। लोहटिया स्थित बड़ा गणेश मंदिर में प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। बड़ा गणेश का चतुर्थी को भव्य शृंगार होगा और श्रद्धालुओं को बिना मास्क के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एक बार में पांच से अधिक श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश नहीं करेंगे। मंदिर में कोई भी श्रद्धालु एक स्थान पर खड़ा नहीं होगा। गणेश भगवान के 12 नामों का करते हैं ध्यान संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश जी की कम से कम 12 नामों का भी ध्यान करना चाहिए। ताकि भविष्य में आने वाली सभी कठिनाइयों से मुक्ति मिले। जीवन सुखमय रहे। ये 12 नाम– सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्णक, लंबोदर, विकट, विघ्न–नाश, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन।

पूर्वांचल विश्वविद्यालयः ऑनलाइन क्लास में चला आपत्तिजनक वीडियो : एमबीए के दो छात्रों पर कार्रवाई

जौनपुर ब्यूरो : यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन क्लास के दौरान आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने पर एमबीए के दो छात्रों को 15 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि भविष्य में वह इस तरह की गलती करते हैं तो उनके प्रवेश प्रक्रिया के निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा सकती है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने कार्रवाई से कुलपति और कुलसचिव को अवगत करा दिया है। विश्वविद्यालय परिसर में संचालित एमबीए के विभागाध्यक्ष डा. मुराद अली ने कहा कि कोविड–19 संक्रमण को देखते हुए छात्रों की आनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। ऑनलाइन कक्षा के दौरान एमबीए प्रथम सेमेस्टर के दो छात्र पीयूष कुमार और अर्चित साहू ने आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट कर दिया। छात्रों को दी गई चेतावनी जानकारी होने पर क्लास के अन्य छात्र और शिक्षकों ने इसकी शिकायत की थी। इस पर बुधवार को प्रॉक्टोरियल बोर्ड की बैठक में निर्णय लेकर दोनों छात्रों को विश्वविद्यालय के सभी शैक्षिक गतिविधियों से निलंबित कर

दिया गया। साथ ही कहा गया कि यदि यह दोनों छात्र भविष्य में भी इस तरह का व्यवहार करते हैं, तो इन दोनों के प्रवेश प्रक्रिया को भी निलंबित करने की कार्रवाई की जा सकती है। डा. मुराद अली ने कहा कि दोनों छात्रों ने ऑनलाइन क्लास के दौरान शैक्षिक वातावरण को बिगाड़ने की कोशिश के साथ ही अनुशासनहीनता की है। शिक्षक और छात्रों की शिकायत पर मामले को गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की गई है। इसकी जानकारी कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्या, कुलसचिव महेंद्र कुमार और चीफ प्राक्टर डा. संतोष कुमार को भी दे दी गई है।

18 वर्ष से अधिक उम्र का पहली डोज का शत–प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : एक वर्ष से लगातार सक्रिय जिले की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 20 जनवरी 2022 को शत–प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य पूरा कर लिया। 18 वर्ष से अधिक की उम्र के लोगों को शत–प्रतिशत पहली डोज का टीका लग चुका है जबकि 66 प्रतिशत ने दूसरी डोज भी लगवा ली है। किशोरों का भी 55 प्रतिशत टीकाकरण हो गया है। 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के प्रथम डोज के शत–प्रतिशत टीकाकरण होने पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह ने टीकाकरण में लगे जनपद के स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी है। साथ ही किशोरों का टीकाकरण, प्रीकाशनरी डोज टीकाकरण तथा दूसरे डोज के टीकाकरण के लिए लगातार प्रयास करते रहने का निर्देश दिया है। जनपद में अब तक कुल 58,48,027 डोज का टीकाकरण हो चुका है। 4,20,224 लोगों को पहली डोज लग चुकी है जबकि 22,45,035 को दूसरी डोज लग चुकी है। खबर लिखने तक 1,71,227 किशोरों का टीकाकरण हो चुका था। 11,541 लोगों को प्रीकाशनरी डोज लग चुकी थी। लंबे समय से जनपद कोविड टीकाकरण के मामले में चौथे स्थान पर बरकरार है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ) डॉ नरेन्द्र सिंह ने लोगों से अपील की है कि जिनका प्रथम डोज छूटा हो या जिनका दूसरा डोज ड्यू तथा सभी किशोर–किशोरियां अपना टीकाकरण अतिशीघ्र पूर्ण करा लें। साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्करों तथा 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले जिन्हें दूसरी डोज लगवाए नौ महीने पूरे हो गए हैं, वह अपना प्रीकाशनरी डोज अवश्य लगवा लें।

गणतंत्र दिवस परेड में प्रदर्शन हेतु सिटी मोंटेसरी स्कूल की झांकी

लखनऊ पत्रकार मृत्युंजय प्रताप सिंह : सिटी मांटेसरी स्कूल इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में मंगलमय है वह जगह जहां प्रभु महिमा गाई जाती है विषय पर एक अनूठी झांकी आज प्रदर्शित करने जा रहा है ।यह झांकी बनकर लगभग तैयार हो चुकी है। सी.एम.एस की यह अनूठी झांकी आज यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को दिखाई गई ।इस अवसर पर सिटी मांटेसरी स्कूल के संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ जगदीश गांधी ने झांकी के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सी.एम.एस की झांकी ''ईश्वर की महिमा'' का गुणगान कर एकता व शांति का संदेश पूरे विश्व को देती है ।इसके साथ ही यह अनूठी झांकी ''वसुधैव कुटुंबकम'' की महान संस्कृति एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद की भावनाओं में भी जनमानस को अवगत कराती है ।डॉ. गांधी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह झांकी गणतंत्र दिवस परेड में जनमानस के विशेष आकर्षण का केंद्र होगी ।इस अवसर पर सी.एम.एस चौक कैंपस की छात्राओं ने यहां की गीत 'मंगलम'है ।वह जगह जहां प्रभु महिमा गाई जाती है की प्रेरणादायी पंक्तियों ने मनभावन नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया तथापि झांकी गीत के माध्यम से धरती को स्वर्ग बनाने का आह्वान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ0 गांधी ने बताया कि सी.एम.एस की यह झांकी मात्र प्रदर्शन भर के लिए नहीं है अपितु इसके पीछे संदेश है कि एकता, शांति वह सद्भाव ही विश्व मानवता के फलने फूलने का एकमात्र

विकल्प है।झांकी के विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए डां गांधी ने बताया कि सी.एम.एसएस की झांकी पांच भागों में है और सभी भाग एक अनूठे ढंग से मानवता के कल्याण का संदेश दे रहे हैं ।सी.एम.एस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हरिओम शर्मा ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड के उपरांत यह झांकी 26 जनवरी से सी.एम.एस कानपुर रोड प्रांगण में लखनऊ के सभी के अवलोकनार्थ रखी जाएगी। झांकी से प्रेरणा लेकर यदि एक भी नागरिक समाज को एकता व शांति के सूत्र में पिरोने का संकल्प लेता है तो हमारा प्रयास सार्थक होगा।

थाना बदलापुर व बक्शा पुलिस द्वारा मुठभेड़ में 20000 का ईनामी फरार शातिर अपराधी/ शराब तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : थाना बदलापुर व बक्शा पुलिस के साथ हुयी मुठभेड़ में 20000/– रुपये का ईनामिया फरार शातिर अपराधी/ शराब तस्कर सत्य प्रकाश गौतम को लगी गोली, गिरफ्तार, कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल, एक तमन्चा , एक खोखा व एक जिन्दा, मिस कारतूस व 115 शीशी (200 एमएल) अवैध अपमिश्रित शराब, बरामद– वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जौनपुर श्री अजय साहनी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण , श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्वेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी बदलापुर के नेतृत्व में आपराधियों की गिरफ्तारी ,आपराध की रोकथाम व आगामी विधानसभा चुनाव 2022 के दृष्टिगत चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक–20.01.2022 को थाना बक्शा अन्तर्गत ग्राम सुजियामऊ में थाना बक्शा पुलिस द्वारा दबिश देकर 21 पेटी शराब के साथ महिला सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था तथा दो अभियुक्त सत्य प्रकाश गौतम व धनन्नजय यादव फरार हो गये थे। जिसकी तलाश थाना बक्शा पुलिस द्वारा की जा रही थी। सत्य प्रकाश गौतम के ऊपर गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा 20 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया तथा थाना बदलापुर व बक्शा पुलिस की टीम गठित कर जल्द गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में कार्यवाही करते हुए आज दिनांक–21.01.2022 की रात्रि में थाना बदलापुर अन्तर्गत धनिया मऊ से ग्राम देवरिया के रास्ते पीली नदी पुल के पास थाना बदलापुर व थाना बक्शा पुलिस द्वारा गिरफ्तारी हेतु दबिश दी जा रही थी कि रास्ते में दो बाइक सवार सन्दिग्ध व्यक्ति दिखे, जिसे पुलिस टीम रोकने का प्रयास किया गया परन्तु दोनों बदमाश पुलिस टीम को देखकर भागने लगे तथा पुलिस ने पीछा किया तो सन्दिग्ध व्यक्ति पुलिस के ऊपर फायर करने लगे , पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्त जबावी कार्यवाही करते हुए फायर किया गया , जिसमें एक व्यक्ति सत्य प्रकाश गौतम को गोली लगी जिससे वह घायल हो गया तथा दूसरा खेत की तरफ भाग गया। घायल बदमाश को तत्काल इलाज हेत सीएचसी बदलापुर लाया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल, एक तमन्चा , एक खोखा व एक जिन्दा, मिस कारतूस व 115 शीशी (200 एमएल) अवैध अपमिश्रित शराब बरामद कर अग्रेतर कार्यवाही प्रचलित है। गिरफ्तार अभियुक्त– 1. सत्य प्रकाश गौतम पुत्र लल्लन निवासी धौकलगंज सुजिया मऊ थाना बक्सा जौनपुर। फरार अभियुक्त–1. धनन्नजय यादव पुत्र संग्राम यादव निवासी चुरावनपुर थाना बक्शा जौनपुर। बरामदगी का विवरण– 1. एक मोटरसाइकिल, सुपर स्पेलेंडर 2. एक तमन्चा .315 बोर , एक खोखा व एक जिन्दा व एक मिस कारतूस 3. 115 शीशी (200 एमएल) अवैध अपमिश्रित शराब आपराधिक इतिहास अभियुक्त सत्य प्रकाश गौतम –1. मु0अ0सं0– 23/2022 धारा 149/420/467/468/272/273 भादवि व 60 आबकारी अधिनियम थाना बक्शा जौनपुर। 2. मु0अ0सं0–228/2021 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना बक्शा जौनपुर। 3. मु0अ0सं0– 639/2016 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना बक्शा जौनपुर। 4. मु0अ0सं0–745/17 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना बक्शा जौनपुर। 5. मु0अ0सं0–788/15 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना बक्शा जौनपुर। 6. मु0अ0सं0– 14/2022 धारा 307/420/467/468/471 भादवि थाना बदलापुर जौनपुर। 7. मु0अ0सं0– 15/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना बदलापुर जौनपुर। 8. मु0अ0सं– 16/2022 धारा 60 आबकारी अधि0 थाना बदलापुर जौनपुर। आपराधिक इतिहास फरार अभियुक्त धनन्नजय यादव– 1. मु0अ0सं0–528/14 धारा– 354क/323भादवि थाना –बक्शा जौनपुर। 2. मु0अ0सं0– 344/17 धारा–143/ 147/ 341/ 353/ 186/427/336/34 भादवि व 7 सीएलए एक्ट व ¾ लो0स0क्ष0 निवारण अधि0 थाना दृ बक्शा जनपद– जौनपुर। 3. मु0अ0सं0–214/2018 धारा– 147/148/149/307/323/504/506 भादवि थाना बक्शा जनपद– जौनपुर। 4. मु0अ0सं0– 224/18 धारा–272/273/419/420/ 467/468/471 व 60 आबकारी अधि0 थाना दृबक्शा जौनपुर। 5. मु0अ0सं0–22/20 धारा– 3/25 आर्म्स एक्ट थाना बक्शा जनपद–जौनपुर। 6. मु0अ0सं0– 23/20 धारा– 60 आबकारी अधि0 थाना बक्शा जनपद– जौनपुर। 7. मु0अ0सं0– 15/18 धारा– 3(1) गुण्डा अधि0 थाना बक्शा जनपद जौनपुर। 8. मु0अ0सं0– 46/2022 धारा–419/420/ 467/468/272 भादवि व 60/63 आबकारी अधि0 व 3(1) गैंगेस्टर एक्ट थाना दृ बदलापुर जनपद– जौनपुर। 9. मु0अ0सं0– 335/21 धारा– 302 /120 बी /34 भादवि थाना बक्शा जौनपुर। 10. मु0अ0सं0– 23/2022 धारा 149/420/467/468/272/273 भादवि व 60 आबकारी अधिनियम थाना बक्शा जौनपुर। 11. मु0अ0सं0– 14/2022 धारा 307/420/467/468/471 भादवि थाना बदलापुर जौनपुर। 12. मु0अ0सं– 16/2022 धारा 60 आबकारी अधि0 थाना बदलापुर जौनपुर। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीमः–1. प्र0नि0 संजय वर्मा थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 2. थानाध्यक्ष दिव्यप्रकाश सिंह थाना बक्शा जनपद जौनपुर। 3. उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद थाना ,हे0का0 अनिल कुमार यादव, हे0का0 यासीन खां,हे0का0 विश्वनाथ सिंह ,हे0का0 वीरेन्द्र वर्मा,हे0का0 शैलेन्द्र यादव,का0 प्रदीप कुमार सिंह, का0 द्विवेश यादव, का0 दीपक मौर्या , का0 शैलेन्द्र कुमार थाना बदलापुर जनपद जौनपुर।4. व0उ0नि0 हरिनारायण पटेल, उ0नि0 मनोद कुमार सिंह ,उ0नि0 विवेक तिवारी, हे0का0 आत्मानन्द यादव,हे0का0 बृजेश मिश्रा ,हे0का0 रीतम कुमार थाना बक्शा जनपद जौनपुर।

पीएच.डी. रिक्त सीटों का विवरण उपलब्ध कराएं महाविद्यालय

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों को सूचित किया जाता है पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा 2021–22 की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जानी है। इस संबंध में रिक्त सीटों का विवरण 27 जनवरी 2022 तक शैक्षणिक विभाग या उसके ईमेल पर उपलब्ध कराना है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार द्वारा जारी आदेश में यह निर्देशित किया गया है कि विश्वविद्यालय परिसरध्महाविद्यालयध संस्थान में संचालित विभिन्न विषयों पाठ्यक्रमों में शोध निर्देशकों के अंतर्गत विषयवार एवं आरक्षण वार रिक्त सीटों की सूचना विश्वविद्यालय के निर्धारित प्रारूप पर 27 जनवरी तक उपलब्ध कराएं। उक्त तिथि तक रिक्त सीटों की सूचना नहीं आने पर विश्वविद्यालय द्वारा अभिलेख अनुसार रिक्त सीटों की संख्या पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा सत्र 2021–22 हेतु जारी कर दी जाएगी। इस संबंध में रिक्त सीटों के विवरण विज्ञापन हेतु अंतिम मानते हुए उस पर किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

संस्कृत विश्वविद्यालय ने राजभवन को भेजा पत्र : वर्तमान सत्र से ही शुरू होना था नया कोर्स

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी स्थित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में एमए हिंदू अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरूआत नहीं हो सकी है। विद्यापरिषद व कार्यपरिषद की स्वीकृति के बाद राजभवन से हरी झंडी नहीं मिलने के कारण नए पाठ्यक्रम की शुरूआत अब तक नहीं हुई है। कुलपति प्रो.

हरेराम त्रिपाठी ने कुलाधिपति को पत्र लिखकर पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए अनुमति देने का अनुरोध किया है। राजभवन को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि एम ए हिंदू अध्ययन पाठ्यक्रम को अब तक स्वीकृति नहीं मिलने के कारण दाखिले की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी है। नवंबर 2021 में ही पाठ्यक्रम की मिली अनुमति कुलपति प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ने रोजगारपरक कई पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इसमें एमए (हिंदू स्टडी), स्नातक व स्नातक, स्नातकोत्तर व डिप्लोमा स्तर पर योग पाठ्यक्रम शामिल है।11 नवंबर 2021 को विद्यापरिषद ने इन पाठ्यक्रमों की स्वीकृति दे दी है। कार्यपरिषद की स्वीकृति भी मिल चुकी है। दो वर्षीय स्नातकोत्तर स्तर का हिंदू अध्ययन पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में होगा। इसमें हिंदू धर्म के वैशिष्ट्य व परंपरा पर आधारित भारतीय दर्शन, शास्त्र, वेद–पुराण, रामायण, महाभारत, भाषा विज्ञान, सैन्य विज्ञान साहित अन्य पाठ्य सामग्री शामिल की गई है।

निर्णय न होने पर पाँच राज्यों के चुनावों में सत्ताधारी दल को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा –इप्सेफ

लखनऊ ब्यूरो : इंडियन पब्लिक सर्विस एम्प्लॉईज फेडेरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्र एवं महामंत्री प्रेमचंद्र ने प्रधानमंत्री जी को दुबारा पत्र भेजकर मांग की है कि वर्तमान हालात को देखते हुए पुरानी पेंशन की बहाली, फ्रीज महंगाई भत्ते के एरियर देने एवं आउटसोर्सिंग /संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की नीति बनाने पर निर्णय करें । श्री वी पी मिश्र ने खेद व्यक्त किया कि माननीय प्रधानमंत्री जी को ज्ञापन पत्र भेजे जाते रहे उन पर क्या कार्यवाही होती है कुछ पता नहीं चलता। वर्तमान कैबिनेट सचिव भी संज्ञान में नहीं लेते हैं। इससे देश भर के करोड़ों कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ रहा है और देश के एक बड़े आंदोलन की रणनीति बन रही है। दिल्ली में एक बैठक हो भी चुकी है। श्री मिश्र ने प्रधानमंत्री जी से आग्रह किया है कि इप्सेफ के प्रतिनिधि मंडल से भेंट हेतु तत्काल तिथि व समय निर्धारित करें ,इस पत्र में कैबिनेट सचिव भारत सरकार से भी मांग की है कि बैठक की तिथि निर्धारित करें। इससे पूर्व कैबिनेट सचिव बराबर कर्मचारियों की पीड़ा को सुनते थे और वांछित कार्यवाही का निर्देश भी देते थे । इप्सेफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशी कुमार मिश्र एवं सचिव अतुल मिश्र ने उत्तर प्रदेश के मा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश से भी मांग की है कि कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों की दिनांक 08 दिसम्बर को बैठक में मुख्य सचिव द्वारा जो निर्णय लिया गया था उसके कुछ मुद्दों का क्रियान्वयन लंबित है। इसलिए मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ तत्काल बैठक कर निर्णय को क्रियान्वित करें क्योंकि यह मुद्दे चुनाव आचार संहिता से परे हैं। वेतन समिति की संस्तुतियों को लागू करना एवं फार्मेसिस्ट, लैब टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्रिस्ट आदि के वेतन उच्ची करण सहित अन्य संवर्गो की वेतन विसंगति का मामला एवं विभिन्न संवर्गो की सेवा नियमावली प्रख्यापित करने आदि शामिल है। यदि बैठक करके निर्णय नहीं किया गया तो भावी चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

रेलवे समेत 11 विभाग के कर्मचारी कर सकेंगे डाक पत्र से मतदान : निर्देश के बाद शुरू हो गईं तैयारियां

वाराणसी ब्यूरो : चुनाव ड्यूटी करने वाले मतदान कर्मियों के लिए डाक पत्र से मतदान की सुविधा दी गई है। 11 विभाग के कर्मचारियों को इस सेवा का लाभ मिलेगा। चुनाव आयोग का निर्देश मिलने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से टीमों को चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस तरह के चुनाव कराने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्त की जाएगी। वैसे यहां चुनाव अंतिम चरण सात मार्च को है। निर्वाचन आयोग की ओर से जिन विभागों को डाक मत पत्र की सुविधा प्रदान की गई है, उसमें खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, भारतीय खाद्य निगम, आल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन, पोस्ट एंड टेलीग्राम, रेलवे, बीएसएनएल, बिजली, स्वास्थ्य, अग्निशमन और यातायात शामिल हैं। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी रणविजय सिंह ने बताया कि डाक मतपत्र से मतदान करने की इच्छा रखने वाले संबंधित मतदाता को जरूरी विवरण देकर फार्म भरना होगा। इसमें इच्छुक मतदाता को रिटर्निंग आफिसर को फार्म 12डी के माध्यम से 10 फरवरी से पांच दिन के अंदर उपलब्ध कराना होगा। संबंधित रिटर्निंग आफिसर आवश्यक सेवाओं में कार्यरत व्यक्तियों की श्रेणी में अनुपस्थित मतदाताओं के लिए डाक मत पत्र की सुविधा की तिथि व समय निर्धारित करते हुए सभी नोडल व संबंधित कार्यरत व्यक्तियों को सूचित करेगा। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर नोडल अधिकारी की टीम चिन्हित की जा रही है। नोडल अधिकारी के गठन के बाद इस तरह के मतदाताओं के लिए सारी रणनीति तय होगी। मतदाता पर्ची व बूथ की सुविधाओं की एसडीएम ने की समीक्षा पिंडरा स्थित तहसील परिसर के सभागार में बृहस्पतिवार को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बीएलओ (बूथ लेबल अधिकारियों) की बैठक एसडीएम की अध्यक्षता में हुई। इसमें मतदाता पर्ची वितरण की समीक्षा के बाद बूथों के बाबत जानकारी ली गई। कुछ बूथों के बाबत कमियां मिलने पर उसे ठीक कराने का आश्वासन दिया। एसडीएम राजीव कुमार राय ने मतदाता पर्ची दो दिन के अंदर वितरण करने के निर्देश दिया। एसडीएम ने बताया कि मतदाता सूचना पर्ची के वितरण कार्य के साथ पिंडरा विस् क्षेत्र के 398 बूथों का सत्यापन ईएआरओ के द्वारा करा लिया गया है। कुछ जगह कमिया मिली हैं जिसे जल्द दूर कर ली जाएगी।

गोरखपुर डीएम की भी नहीं सुनती यातायात पुलिस : आदेश के बाद भी नहीं हटीं प्राइवेट बसें

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर में गड्ढा मुक्त अभियान के भौतिक सत्यापन के दौरान जाम का सच सामने आने पर डीएम विजय किरन आनंद ने मंगलवार को प्राइवेट बसों को हटाने का आदेश दिया था लेकिन, यातायात पुलिस ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। हालात यह है कि विश्वविद्यालय छात्रावास रोड पर पूरी एक लेन के आधे हिस्से पर बसों का कब्जा है जिससे आवागमन प्रभावित होता है। जानकारी के मुताबिक, निरीक्षण करने के लिए निकले डीएम ने जाम की समस्या बनी प्राइवेट बसों की मनमानी खुद देखी थी। इसके बाद ही डीएम ने प्राइवेट बसों को हटाने का निर्देश दिया, लेकिन बृहस्पतिवार को जब अमर उजाला ने इसकी पड़ताल की तो थोड़ा भी बदलाव नहीं हुआ था। लाइन से बसें खड़ी थीं, जिस वजह से लोगों को आने जाने में परेशानी होती है। अब यातायात पुलिस इस पर कार्रवाई क्यों नहीं करती है? इसके पीछे का सच चाहे जो हो, लेकिन जाम में फंसने वाले लोग पुलिस पर वसूली का ही आरोप लगाते हैं। एसपी ट्रैफिक डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि प्राइवेट बस संचालकों ने तीन–चार दिन का समय मांगा था। वह समय पूरा हो गया है, अब सड़क पर अगर प्राइवेट बसें दिखीं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 'निर्धारित स्थान पर बसें खड़ी कराएं निजी बस

संचालक' बस संचालकों को निर्देश दिया गया कि वे मोहद्दीपुर से विश्वविद्यालय चौराहे के बीच बसें न खड़ी कराएं। परिवहन विभाग व परिवहन निगम के जिम्मेदारों के साथ निजी बस आपरेटरों की बैठक में यह निर्देश दिया गया। बैठक, बृहस्पतिवार को चालक प्रशिक्षण केंद्र, चरगावां में हुई। बैठक में बस संचालकों को हिदायत दी गई कि वे जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थान पर ही बसें खड़ी करें, नहीं तो उनपर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में आरटीओ प्रशासन अनीता सिंह, एआरटीओ एसपी श्रीवास्तव, बीके सिंह, एआरएम महेंद्र पांडेय, रवि चंद्र त्यागी आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालयों जनपद स्तरीय कार्यालयों एवं अन्य स्थलो पर 25 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया जायेगा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामप्रकाश ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद के समस्त मतदेय स्थलों, महाविद्यालयों, जनपद स्तरीय कार्यालयों एवं अन्य स्थलो पर 25 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूरे उत्साह के साथ वर्चुअल एवं कोविड गाइड लाइन/प्रोटोकाल सुनिश्चित कराते हुए मनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है, अतएव जनपद के समस्त जनपद में स्थित विभागों के कार्यालयाध्यक्षों सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं प्राचार्य, प्रधानाचार्यो, प्रधानाध्यापकों, बूथ लेविल अधिकारियो, सुपरवाइजरों से अनुरोध है कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस अपने–अपने संबंधित कार्यालयों/स्थलो पर उत्साहपूर्वक संबंधित को ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुये यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुये बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे का शपथ दिलाकर कार्यक्रम आयोजित करने का कष्ट करें।

विप्र सेवा संघ ने पुनः पेश की मानवता की मिशाल : धूम धाम से कराया कन्या का विवाह

रीवा ब्यूरो : विप्र सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव शुक्ला ने अमित पाठक की बहन का विवाह संपन्न करवाया विवाह में लगने वाली महत्वपूर्ण सामग्री जैसे फर्नीचर ,डेकोरेशन,खाद्यान सामग्री, किराना, ज्वैलरी कपड़े और नगद राशि का सहयोग किया कन्या का विवाह बडे धूम धाम से संपन्न कराया कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजीव शुक्ला राष्ट्रीय अध्यक्ष

डॉ. आरती तिवारी (पी आर ओ) उमाकांत तिवारी संगठन मंत्री शामिल हुए।

धार्मिक उन्माद फैलाने का केस दर्ज : ट्विटर पर पाकिस्तान की फोटो ने उड़ाई यूपी पुलिस की नींद

गोरखपुर ब्यूरो : पाकिस्तान की तेजाब पीड़िता की फोटो को गोरखपुर में एसिड अटैक की घटना बताते हुए, ट्विटर पर की गई एक पोस्ट ने बुधवार रात पुलिस की नींद उड़ा दी। ट्विटर पर बुधवार रात सीमा सिंह नाम नाम की एक युवती ने यह पोस्ट की थी। पोस्ट वायरल होते ही, गोरखपुर के साथ ही लखनऊ के आला अफसर भी हरकत में आ गए। जांच में पता चला कि पोस्ट में इस्तेमाल तस्वीर पाकिस्तान की एक तेजाब पीड़िता की है। एसएसपी के आदेश पर साइबर थाने में धार्मिक उन्माद फैलाने और आईटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, जिस एकाउंट से पोस्ट ट्वीट की गई थी, वह भीम सेना महिला मोर्चा अध्यक्ष के नाम से है। पोस्ट में गोरखपुर में तेजाब हमले से युवती की मौत की बात लिखी थी और एक फोटो भी थी। इतना ही नहीं योगी सरकार पर सवाल उठाते हुए, आरोपी के लिए आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल भी किया गया था। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होते ही गोरखपुर पुलिस के साथ ही लखनऊ के अफसर भी सक्रिय हो गए। करीब दो घंटे बाद जब यह पता चला कि यह फोटो 2014 की है, वह भी पाकिस्तान की, तो पुलिस ने राहत की सांस ली। इसके बाद केस दर्ज कर लिया गया है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि ट्विटर पर फोटो वायरल होने पर साइबर टीम के उपनिरीक्षक उपेंद्र कुमार सिंह व मीडिया सेल के आरक्षी अश्वनी ने दो घंटे में ही फोटो की हकीकत सामने ला दी। उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। साइबर थाने में केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेमेस्टर परीक्षा के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ी : वाराणसी समेत पांच जिलों के छात्रों को बड़ी राहत

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी स्थित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने स्नातक और स्नातकोत्तर में सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि को बढ़ा दिया है। कोरोना संक्रमण काल और छात्रों की समस्या को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय के इस निर्णय से वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, भदोही के सैकड़ों छात्रों को राहत मिलेगी। छात्र अब 25 जनवरी तक परीक्षा फार्म के लिए आवेदन कर सकेंगे। काशी विद्यापीठ में सेमेस्टर परीक्षा के लिए आवेदन सात जनवरी से ही ऑनलाइन भरे जा रहे थे और आवेदन की अंतिम तिथि 17 जनवरी को समाप्त हो गई थी। वाराणसी समेत पांचों जिलों से 65 हजार से अधिक विद्यार्थी अभी तक परीक्षा फॉर्म भर चुके हैं। जिलों और संबद्ध महाविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ाने की मांग की थी। जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नवरत्न सिंह ने बताया कि छात्रहित को देखते हुए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 25 जनवरी तक बढ़ाई गई है। छात्र 28 जनवरी तक परीक्षा शुल्क जमा कर सकेंगे। परीक्षार्थी अब संकाय, विभाग या संबंधित महाविद्यालयों में 29 जनवरी तक आवेदन की हॉर्डकापी जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि नहीं बढ़ाई जाएगी। काशी विद्यापीठ में बूस्टर डोज 22 जनवरी से लगेगी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के स्वास्थ्य केंद्र पर 22 जनवरी से फिर से टीकाकरण प्रारंभ होने जा रहा है। इसमें प्रथम, द्वितीय तथा बूस्टर डोज लगाए जाएंगे। मुख्य परिसर में लगभग 100 छात्र तथा कर्मचारी ऐसे हैं जिसमें कुछ को प्रथम और कुछ को द्वितीय डोज नहीं लगी है। सभी को स्वास्थ्य केंद्र पर बुलाकर डोज लगाई जाएगी। जिन छात्रों

तथा कर्मचारियों को द्वितीय डोज लग चुकी है उन्हें बूस्टर डोज भी लगाई जाएगी। कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी का सख्त निर्देश है कि जिन छात्रों ने कोविड की पूरी डोज नहीं ली है उन्हें परीक्षा फार्म नहीं भरने दिया जाएगा। काशी विद्यापीठ में आज आएगी मतदाता एक्सप्रेस वोटरों को जागरूक करने तथा मतदान का महत्व बताने के लिए मतदाता एक्सप्रेस शुक्रवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ आएगी। मतदाता एक्सप्रेस 21 जनवरी को दोपहर 12 बजे केंद्रीय कार्यालय के सामने पहुंचेगी। एक्सप्रेस का स्वागत स्वीप एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केके सिंह तथा विश्वविद्यालय के पीआरओ डॉ. नवरत्न सिंह करेंगे। स्थानीय कलाकार और छात्र–छात्राओं को साथ मिलाकर मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा।

देश को पीएम देने वाले राजा मांडा के महल में सन्नाटा

प्रयागराज ब्यूरो : प्रतापगढ़ में दो राजघराने विधानसभा चुनाव में जहां टिकट के लिए जूझ रहे हैं वहीं पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की रियासत का हाल भी बहुत अलग नहीं है। करीब पांच दशक तक केंद्र और राज्य की सियासत के धुरी रहे राजा मांडा के महल में वीरानी छाई हुई है। अजेय सिंह ने पिता विश्वनाथ प्रताप सिंह की सियासी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली और अब पूरे परिवार ने राजनीति से दूरी बना ली है। 1957 में भूदान आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए विश्वनाथ प्रताप सिंह ने अपनी विरासत की भूमि दान कर दी। इसके बाद से ही वह देश की सियासत के बड़े चेहरों में शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे नहीं देखा और प्रधानमंत्री तक का सफर तक किया। मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू करके वह सामाजिक परिवर्तन के नायक बने लेकिन सियासी दृष्टि से यह उनके लिए आत्मघाती कदम साबित हुआ। मंडल कमीशन ने उन्हें अगड़ों से दूर कर दिया तो पिछड़ों की राजनीति मुलायम सिंह यादव, अजीत सिंह, लालू प्रसाद यादव जैसे समाजवादी नेताओं के हाथों में चली गई। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किसान मोर्चा बनाकर नई सियासी पारी शुरू की लेकिन उनकी राजनीतिक पकड़ धीरे–धीरे कमजोर पड़ती गई। इसी के साथ कई बड़ी राजनीतिक घटनाओं के केंद्र रहे राजा मांडा के महल की सियासी चमक भी फीकी पड़ गई। आलम यह है कि इन दिनों चुनावी बिगुल चुका है लेकिन राजा मांडा का महल विरान है। खैरुआ गांव के फूलशंकर मिश्रा का कहना है कि सियासत में राजा मांडा का साथ देने वाले भी धीरे–धीरे हाशिए पर चले गए। कृष्ण विजय सिंह का कहना है कि 988 के चुनाव में दो पहिया वाहन से प्रचार कर वीपी सिंह लोगों के दिलों पर राज करने लगे लेकिन भविष्य की राजनीति की रफ्तार को नहीं संभाल सके और आज महल की तरफ कोई देखने भी नहीं आता। छात्र राजनीति से की शुरुआत 1931 में जन्में विश्वनाथ प्रताप सिंह1947 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के उपाध्यक्ष रहे। सन् 1957 में भूदान आंदोलन में कूदे। 1969 में वह विधायक तथा 1971 में पहली बार सांसद निर्वाचित हुए। सन् 1980 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। केंद्र में वित्तमंत्री बने। टैक्स नहीं भरने के मामले में धीरूभाई अंबानी एवं अंमिताभ बच्चन से टकराव हुआ। इसके बाद उन्हे रक्षा मंत्रालय की जिममेदारी सौंपी गई और इस पद पर रहते हुए बोफोर्स घोटाले का मुद्दा उठाकर अपनी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। बेटे अजेय को नहीं मिली सियासत में सफलता पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के अजेय सिंह और डॉ. अभय सिंह दो पुत्र हैं। अजेय सिंह 2009 के लोकसभा चुनाव में फतेहपुर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़े थे लेकिन हार गए। 2009 के चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी ने उन्हें टिकट तो दिया था लेकिन आखिरी वक्त में दूसरे को प्रत्याशी बना दिया गया। इसके बाद अजेय सिंह निर्दलीय चुनाव लड़े। उन्होंने अन्य दलों से भी टिकट की कोशिश की लेकिन निराशा मिली। कभी बजता था डंका, अब सियासत में वजूद तलाश रहे राजघराने जिले की सियासत में कभी राजघरानों का डंका बजता था। लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जिले में लंबे समय तक कालाकांकर स्टेट और प्रतापगढ़ राजघराने

का वर्चस्व रहा। इन राजघरानों से न सिर्फ सांसद और विधायक बने, बल्कि केंद्रीय व राज्य मंत्रालय में शामिल होकर महत्वपूर्ण विभाग भी संभाले। दोनों ही राजघरानों ने जिले की सियासत में गहरी पकड़ बनाए रखी, मगर अब तीसरी पीढ़ी अपना वजूद तलाश रही है। राजनीति में पकड़ बनाए रखने के लिए दोनों ही परिवार संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। 1957 में शुरू हुआ कालाकांकर स्टेट का सियासी सफर राजनीति में कालाकांकर स्टेट का प्रवेश 1957 के लोकसभा चुनाव में हुआ। कांग्रेस से बांदा संसदीय सीट सीट से दिनेश सिंह सांसद चुने गए थे। बाद में वह प्रतापगढ़ संसदीय सीट से चार बार सांसद चुने गए। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रालय में कई महत्वपूर्ण विभाग संभाले। 1993 से 1995 तक वह विदेश मंत्री भी रहे। इससे देश में बेल्हा का सियासी कद बढ़ा था। कालाकांकर स्टेट के दिनेश सिंह पंडित नेहरू व इंदिरा गांधी के बेहद करीबी माने जाते थे। दिनेश सिंह के निधन के बाद 1996 में बेटी रत्ना सिंह ने उनकी विरासत संभाली। राजकुमारी रत्ना सिंह प्रतापगढ़ संसदीय सीट से तीन बार सांसद चुनीं गईं। 1996, 1999 और 2009 में वह सांसद चुनीं गईं। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद रत्ना सिंह कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा में शामिल हो गईं। रत्ना सिंह अब अपने बेटे भुवन्यू सिंह व बेटी तनुश्री का राजनीति में भविष्य तलाश रहीं हैं। बेटी तनुश्री को सांगीपुर से जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में उतारा था, मगर उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। बेल्हा की सियासत में रही प्रतापगढ़ स्टेट धमक बेल्हा की सियासत में प्रतापगढ़ स्टेट की भी धमक कम नहीं रही। 1962 के लोकसभा चुनाव में प्रतापगढ़ स्टेट की राजनीति में इंट्री हुई। प्रतापगढ़ राजघराने के राजा अजीत सिंह लोकसभा चुनाव में जनसंघ के प्रत्याशी थे। वह कांग्रेस के दिग्गज नेता पं. मुनीश्वरदत्त उपाध्याय को हराकर सांसद बने थे। इसके बाद 1967 के विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस में शामिल हो गए। फिर सदर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए। वह कांग्रेस की सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। इसके बाद कांग्रेस पार्टी में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। इसके बाद 1980 से 1984 तक वह सदर के विधायक रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री भी रहे। इसके बाद बेटे अभय प्रताप सिंह ने उनकी विरासत संभाली। वह 1991 में जनता दल से प्रतापगढ़ संसदीय सीट से सांसद चुने गए। उनके निधन के बाद से बेटे अनिल प्रताप सिंह पिता की राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अनिल प्रताप सिंह भी विधानसभा के चुनाव में तीन बार अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। वह कांग्रेस पार्टी से 1993 और 2007 में सदर से व 2012 में विश्वनाथगंज विधानसभा सीट से चुनाव लड़े, मगर सफलता नहीं मिल पाई। हालांकि अब वह भाजपा में हैं और राजघराने की सियासी साख को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

नवजात की हत्या मामले में बिन ब्याही मां और उसकी मां गिरफ्तार : अनैतिक संबंध बनाने वाले युवक पर दुष्कर्म का केस

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के बड़हलगंज के मिश्रौलिया गांव में नवजात बच्ची को मारकर फेंके जाने के मामले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को बिन ब्याही मां और उसकी मां को गैर इरादतन हत्या समेत अन्य आरोपों में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। युवती के कलमबंद बयान के आधार पर मृत बच्ची के जैविक पिता के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। वह भी जल्द ही जेल की सलाखों के पीछे होगा। इस प्रकरण में नवजात का शव मिलने के बाद अमर उजाला की पहल पर धारा 317 (12 वर्ष से कम उम्र के बच्चे का परित्याग करना) में भाजपा नेता रुद्रेश तिवारी की तहरीर पर केस दर्ज किया गया था। पीपीगंज में नवजात बच्ची के मृत मिलने के मामले में दुष्कर्मी, किशोरी मां और किशोरी की मां को जेल भेजवाने के प्रकरण के बाद अमर उजाला को यह दूसरी सफलता मिली है। अमर उजाला ने बड़हलगंज के मिश्रौलिया गांव में पोखरे के पास मृत मिली नवजात की हत्या का ताना–बाना खोलते हुए रिपोर्ट प्रकाशित की। इसके बाद एसएसपी के हस्तक्षेप पर हरकत में आई पुलिस ने आखिर अपराध के आरोपितों के चेहरों से पर्दा उठा दिया। जांच में पुलिस ने आईपीसी की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) बढ़ाते हुए, बिन ब्याही मां और उसकी मां को आरोपित बना दिया था। उधर, बिन ब्याही मां ने मजिस्ट्रेट को दिए बयान में बताया कि एक युवक ने शादी का झांसा देकर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए। फिर शादी से इनकार कर दिया था। बार–बार संबंध बनाने की वजह से ही वह गर्भवती हो गई और फिर बच्ची का जन्म हुआ था। इसी आधार पर पुलिस ने युवक को दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने का आरोपी बनाया। बड़हलगंज थाने के एसएसआई अश्वनी तिवारी ने बताया कि बयान और मेडिकल कराने के बाद कोर्ट में पेश कर आरोपियों को जेल भेजा गया है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है। आरोपी युवक पर और बढ़ सकती हैं धाराएं युवती ने कोर्ट में दिए बयान में आरोपी युवक पर दुष्कर्म के अलावा गर्भपात कराने का दबाव बनाने, शादी का झांसा देने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं। माना जा रहा है कि उसके बयान के आधार पर आरोपित पर पुलिस कई और धाराएं बढ़ा सकती है। गुजरात में हो सकता है आरोपी आरोपी युवक के गुजरात में होने की संभावना है। गांव वालों के मुताबिक वह पिछले कुछ साल से गुजरात ही में रहकर काम करता है। गांव में बिन ब्याही युवती के मां बनने पर उसे पंचायत के लिए बुलाया गया था। तब भी वह गुजरात से ही आया था, लेकिन शादी के लिए तैयार नहीं हुआ और फिर फरार हो गया। यह थी घटना तीन जनवरी को बड़हलगंज इलाके के मिश्रौलिया गांव में पोखरे के किनारे अपराह्न करीब 3.30 बजे नवजात बच्ची का शव मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। 72 घंटे बाद हुए पोस्टमार्टम में सिर में चोट से मौत की पुष्टि हुई थी। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने कहा कि नवजात मामले में बड़हलगंज पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की। जांच के आधार पर जो तथ्य सामने आए हैं, उसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इस प्रकरण में फरार आरोपी की तलाश में भी पुलिस टीम लगाई गई है, जल्द ही उसकी गिरफ्तारी भी कर ली जाएगी। यह हो सकती है सजा धारा 317 : 12 वर्ष से कम आयु के बच्चे का परित्याग करना (सजा–सात साल व जुर्माना)धारा 304 : गैर इरादतन हत्या (सजा–आजीवन कारावास) धारा 376 : दुष्कर्म (आजीवन कारावास या मृत्यु दंड) धारा 452 : जबरन घर में घुसकर दबाव बनाना (सजा–सात साल व जुर्माना) धारा 506 : धमकी देना (सजा–दो साल) गोरखपुर में 154 साल बाद दर्ज हुई थी पहली एफआईआर । जिसके जन्मदाता ने ही उसे मार डाला या लावारिस छोड़ दिया, फिर उसके मामले में कौन सुनेगा? अमूमन नवजात का शव मिलने या उसके जीवित मिलने पर पुलिस कोई मामला दर्ज ही नहीं करती। अमर उजाला ने नवजात के लावारिस मिलने पर 2019 में यह मामला उठाया तो धारा–317 के तहत गोरखपुर में पहली एफआईआर दर्ज हुई, वरना इससे पूर्व जनरल डायरी में शिशु के मिलने का उल्लेख करके पुलिस अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती थी। चौंकाने वाली बात थी कि गोरखपुर पुलिस के उपलब्ध रिकॉर्ड के मुताबिक इस कानून के बनने के 154 साल बाद यहां ऐसी कोई एफआईआर दर्ज हो सकी। इन मामलों में पुलिस का कुतर्क रहता है कि कोई तहरीर ही नहीं देने वाला तो वे एफआईआर कैसे दर्ज करें? अमर उजाला की पहल पर तत्कालीन डीजीपी ओम प्रकाश सिंह ने प्रदेश भर में सर्कुलर जारी करके इस समस्या का समाधान भी किया था कि नवजात शिशु के मामले में तहरीर का इंतजार किए बिना, पुलिस स्वयं वादी बनकर मामला दर्ज करे। इसके बाद गोरखपुर में कई मामले दर्ज हुए। कुछ मामलों में पुलिस ही वादी भी बनी। स्पष्ट और कठोर कानूनी प्रावधान हैं शिशुओं के मामले में जीवित, मृत या अजन्मे शिशु के मामलों में आईपीसी में स्पष्ट और कठोर कानूनी प्रावधान हैं। धारा–315 (बच्चे को जीवित पैदा होने से रोकने या जन्म के बाद उसे मारने का अपराध), धारा–316 (सजीव अजन्मे बच्चे की मृत्यु कारित करने का अपराध), 317 (12 वर्ष से कम उम्र के शिशु परित्याग के आशय से अरक्षित छोड़ने का अपराध), 318 (शिशु की मृत्यु जन्म से पूर्व हुई या बाद में उसको जानबूझकर छुपाने का अपराध) तहत आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। कुछ ऐसे ही हालात में पीपीगंज में मौत के घाट उतारा गया था नवजात कथित लोकलाज से बचने के लिए नवजात को मौत के घाट उतारने का कुकृत्य हमारे समाज में आदिकाल से होता चला आ रहा है। पाठकों के पता होगा कि एक ऐसा ही मामला, अमर उजाला की कोशिशों से पीपीगंज में खुला था। 31 जनवरी 2020 को दर्ज इस मामले की तफ्तीश कैंपियरगंज थाना पुलिस ने की थी। इस मामले में एक प्रभावशाली परिवार के युवक ने एक नाबालिग को हवस का शिकार बनाया था। उससे एक बच्चे का जन्म हुआ। बिन ब्याही किशोरी मां और उसकी मां ने नवजात को मारकर फेंक दिया था। पड़ताल पर सक्रिय हुई पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी, नवजात को मौत के घाट उतारने वाली किशोरी मां और किशोरी की मां को हत्या के आरोप में 24 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

डिप्टी सीएम केशव का करीबी भाजपा नेता संदिग्ध हालत मे लापता : लावारिस मिली स्कार्पियो

प्रयागराज ब्यूरो : डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के करीबी भाजपा नेता राजीव मौर्या बुधवार देर रात संदिग्ध हालत में लापता हो गए। बृहस्पतिवार सुबह उनकी स्कार्पियो कोखराज कोतवाली के एक होटल के किनारे खड़ी मिली। घटना की जानकारी होने पर राजीव के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर अनहोनी की आशंका जाहिर की है। हालांकि, अब तक की पुलिसिया जांच में अपहरण सरीखा कोई तथ्य सामने नहीं आया है। पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज लेकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। कड़ाधाम कोतवाली के रजपालपुर नरवा सिपाह निवासी राजीव मौर्या काफी पहले गुलामीपुर में आकर परिवार समेत रहने लगे थे। यहां पर उन्होंने खुद का फर्नीचर का व्यवसाय शुरू किया। घर के बाहर दुकानें बनवाकर उन्हें किराए पर उठाया। इसके अलावा राजीव के घर में ही एक बैंक की शाखा भी खुली है। इन दिनों राजीव की पत्नी पूनम मौर्या वार्ड नंबर छह से जिला पंचायत की सदस्य हैं। बृहस्पतिवार को सैनी कोतवाली में राजीव के भाई हेमंत ने तहरीर देकर बताया कि बुधवार रात करीब नौ बजे उसके भाई के मोबाइल पर किसी ने फोन किया। इसके बाद राजीव घर से मंझनपुर जाने की बात कहकर अपनी स्कार्पियो से चले गए। रात एक बजे तक उनका मोबाइल खुला था। इसके बाद मोबाइल स्वीच ऑफ बताने लगा। रात भर परिजनों ने तलाश की और सुबह घटना की तहरीर पुलिस को दी। भाई ने थाने में तहरीर देकर जताई अनहोनी की आशंका हेमंत ने अपने भाई के साथ अनहोनी की आशंका जाहिर की है। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही थी, तभी मालुम चला कि कोखराज कोतवाली के प्रयागराज होटल के पास राजीव की कार लावारिस हालत में खड़ी है। घटना की जानकारी के बाद सैनी, कोखराज और सर्विलांस सेल की टीम मौके पर पहुंची। होटल में लगे सीसीटीवी को देखा गया तो पता चला कि करीब करीब दो बजे स्कार्पियो होटल में आई थी। इसके बाद स्कार्पियो से उतरा व्यक्ति कानपुर की ओर जाने वाली बस में बैठकर चला गया। पुलिस ने फुटेज लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। इस बाबत अपर पुलिस अधीक्षक का कहना है कि घटना की तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। होटल में लगे सीसीटीवी से पता चला कि राजीव खुद ही गाड़ी से उतरने के बाद कानपुर की ओर जाने वाली बस में बैठकर कहीं गए हैं। मामले की छानबीन कराई जा रही है। डिप्टी सीएम के करीबी थे राजीव राजीव मौर्या ने गुलामीपुर में अपना घर और व्यापार जमाने के बाद राजनीति में कदम रखा। वह डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के करीबी माना जाते हैं। भाजपा से राजनीति की शुरूआत करते हुए राजीव में वर्ष 2015 में वार्ड नंबर छह से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़े। इस चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वर्ष 2021 उन्होंने वार्ड नंबर छह से ही अपनी पत्नी पूनम मौर्या को प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा। इस चुनाव में पूनम जीत गईं। जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सपा और भाजपा के बीच कांटे का मुकाबला था। सूत्रों की माने तो डिप्टी सीएम के कहने पर राजीव ने अपनी पत्नी का वोट मौजूदा जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर के पक्ष दिलाया था। चुनाव से पहले राजीव के गायब होने से बढ़ी हलचल वार्ड नंबर छह से निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य राजीव मौर्या ने कम समय में ही काफी सुर्खिया बटोरी थी। सिपाह जैसे गांव से निकल कर उन्होंने गुलामीपुर में अपना बड़ा कारोबार शुरू कर दिया था। गेस्ट हाउस के अलावा उसने अपने घर में तमाम दुकानें बनाकर उन्हें किराए पर उठा दिया था। डिप्टी सीएम से करीबी बनने के बाद उसने राजनीति में भी कदम रखा। इस बीच केशव के गढ़ कहे जाने वाले कौशाम्बी जिले से ही पूर्व जिला पंचायत सदस्य आशीष मौर्या, अमर नाथ मौर्या ने विस चुनाव के पहले पाला बदला और सपा के साथ हो लिए। माना जा रहा है कि भाजपा से सपा में गए मंत्री स्वामी प्रसाद के लिए उन्होंने भी अपनी निष्ठा समाजवादी पार्टी में दिखाई। इन दोनों नेताओं के जाने से सियासी हलचल तेज हो गई थी। इस बीच रहस्यमय तरीके से राजीव का गायब होना राजनैतिक गरियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है। डिप्टी सीएम ने घटना के शीघ्र खुलासे का दिया निर्देश जिला पंचायत सदस्य के पति राजीव मौर्या के संदिग्ध हालत में लापता होने के मामले में डिप्टी सीएम ने गंभीरता दिखाई है। भाजपा से जुड़े सूत्रों की मानें तो उन्होंने सिराथू विधायक शीतला प्रसाद को फोन करके तत्काल घटना की हकीकत जानने को कहा। साथ ही राजीव की सकुशल वापसी के लिए पुलिस अफसरों से भी बात की। डिप्टी सीएम के निर्देश पर विधायक कोखराज में जहां राजीव की स्कार्पियो मिली थी वहां पहुंचे और होटल में मौजूद लोगों से बातचीत की। इसके अलावा पुलिस से जल्द ही राजीव को बरामद करने की मांग किया।

गोरखपुर में छह डॉक्टर समेत 304 मिले संक्रमित : दो की मौत

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले में बृहस्पतिवार को 304 कोरोना संक्रमित मरीज मिले। लगातार दूसरे दिन भी संक्रमितों का आंकड़ा 300 के पार रहा। साथ ही, बीआरडी मेडिकल कॉलेज के 500 बेड कोविड अस्पताल में दो मरीजों की मौत भी हुई है। इनमें एक मरीज देवरिया और दूसरा गोरखपुर का रहने वाला था। संक्रमितों में बीआरडी मेडिकल कॉलेज, एम्स और निजी अस्पताल के डॉक्टर भी शामिल हैं। हालांकि, इन सबके बीच राहत की बात यह है कि 531 मरीजों ने कोरोना को मात दी है। अब एक्टिव

मरीजों की संख्या 2,208 रह गई है। जानकारी के मुताबिक, संक्रमितों में बीआरडी मेडिकल कॉलेज के चार, एम्स और निजी अस्पताल के एक–एक डॉक्टर, मेडिकल कॉलेज के छह एमबीबीएस के छात्र शामिल हैं। इनके अलावा एम्स में इलाज कराने आए पांच मरीज, निजी अस्पतालों के दो और फर्टिलाइजर के तीन कर्मचारी, एयरफोर्स में पांच, रेलवे स्टेशन पर हुई जांच में चार यात्री, जिला अस्पताल की ओपीडी में इलाज कराने आए चार मरीजों में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है। वहीं, पादरी बाजार दीवान बाजार, पीपीगंज, मोहद्दीपुर रेलवे कॉलोनी, राप्तीनगर, इंद्रानगर और तिवारीपुर में एक–एक परिवार के चार–चार लोग संक्रमित मिले हैं। सीएमओ डॉ आशुतोष कुमार दूबे ने बताया कि पहली लहर से लेकर अब तक जिले में 63,468 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 60,410 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। 851 की मौत हो चुकी है। उन्होंने अपील की है कि लोग कोविड प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करें। छह बच्चे भी मिले संक्रमित। बृहस्पतिवार को आई रिपोर्ट में छह बच्चे भी संक्रमित मिले हैं। इनमें एक साल से लेकर 12 साल के बच्चे शामिल हैं। संक्रमितों में यादवपुर, एयरफोर्स, रामजानकीनगर,, रेलवे कॉलोनी, पॉली के रहने वाले हैं। इनकी उम्र क्रमशः एक, दो, आठ, 11, 10, 12 वर्ष हैं। इससे ठीक एक दिन पूर्व 19 जनवरी को अलग–अलग इलाकों में एक साथ 15 बच्चे संक्रमित मिले थे।

दो संक्रमितों की हुई मौत। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के 500 बेड के कोविड वार्ड में छह दिन बाद दो संक्रमितों की मौत हुई है। इनमें अहिरौली का रहने वाले 70 वर्षीय एक बुजुर्ग शामिल हैं। बताया जाता है कि बुजुर्ग को अन्य बीमारियां थी। चार दिन पूर्व वे संक्रमित हुए थे। गंभीर स्थिति होने पर उन्हें कोविड वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां पर इलाज के दौरान बृहस्पतिवार को मौत हो गई। वहीं, देवरिया के रहने वाले 31 वर्षीय युवक की भी मौत कोविड वार्ड में हुई है। इससे पूर्व 14 जनवरी को देवरिया के एक 13 साल के बालक और गोरखपुर के एक युवक की मौत मेडिकल कॉलेज के 500 बेड के कोविड वार्ड में हुई थी।

बच्चों के अपहरण के आरोपी पिता का घर कुर्क : दो महीने पहले घटना को दिया था अंजाम

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर शहर के रामगढ़ताल इलाके के चिलमापुर में बृहस्पतिवार को बच्चों के अपहरण के आरोपी सऊद के घर पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की। महराजगंज की कोल्हुई पुलिस ने यह कार्रवाई की है। एक महीने पहले ही उसके घर कुर्की का नोटिस चस्पा किया गया था, लेकिन पुलिस पहुंची तो उसमें ताला बंद था। जानकारी के मुताबिक, महराजगंज के कोल्हुई कस्बे के चंदनपुर तिराहे से 17 नवंबर 2021 को स्कूल जा रहे मासूम भाई–बहन का अपहरण किया गया था। मुख्य आरोपी गोरखपुर के रामगढ़ताल इलाके के चिलमापुर का निवासी सऊद है। इस मामले में पुलिस ने बच्चों की मां तरन्नुम की तहरीर पर तलाकशुदा पति सऊद अहमद व एक दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया था। तभी से वह फरार था। उस पर 25 हजार का इनाम भी था। वहीं पुलिस अपहरण में सहयोगी एक ड्राइवर व एक रिश्तेदार को जेल भेज चुकी है। करीब एक माह पूर्व ही पुलिस ने मुख्य आरोपी सऊद के घर कुर्की का नोटिस चस्पा किया था। लेकिन, कानूनी अड़चनों के चलते कुर्की की कार्रवाई नहीं हो सकी थी। कोल्हुई के थानेदार अजीत प्रताप सिंह ने बताया की कोर्ट के आदेश पर जब पुलिस पहुंची तो आरोपी के तीन मंजिला मकान के गेट पर ताला लटका हुआ था। ग्रामीणों के समक्ष पुलिस ने गेट का ताला तोड़कर कुर्की की कार्रवाई शुरू की। पहली मंजिल से लेकर तीसरी मंजिल तक के कमरों में जो भी सामान मिले, सब बाहर निकाल कर लिस्ट बनवाई गई है। टीम में आठ एसआई, नौ महिला कांस्टेबल, 22 कांस्टेबल शामिल रहे।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।